Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25 www.dainikvishwapariwar.com रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 257 ● वर्ष : 13 ● रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026 ● पृष्ठ : 12 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

जैन धर्म का मूल विस्तार यह है कि वह प्रत्येक आत्माओं को परमात्मा बनाने की क्षमता को बताता है।

The fundamental of jainism is that it explains every soul's capability to become god.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

खुशखबरी: तनावपूर्ण स्थिति के बीच एलपीजी लेकर पहुंचा शिवालिक जहाज

अहमदाबाद। पश्चिम एशिया की तनावपूर्ण स्थिति के बीच भारतीय जहाज शिवालिक एलपीजी कैरियर गुजरात स्थित मुंद्रा पोर्ट पहुंच चुका है। यह कतर से गैस लेकर भारत पहुंचा है। यह जहाज सोमवार शाम 5 बजे गुजरात के मुंद्रा पोर्ट पर पहुंचा, जिसकी जानकारी पहले ही शिपिंग मंत्रालय ने प्रेस से साझा कर दी थी। शिवालिक करीब 45 हजार मीट्रिक टन एलपीजी लेकर पहुंचा है, जो लगभग 32 लाख घरेलू गैस सिलेंडरों के बराबर बताई जा रही है। यह जहाज 14 मार्च को होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत की ओर रवाना हुआ था। मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष के बीच यह भारत पहुंचने वाला पहला एलपीजी जहाज है।

सोमवार को भारत सरकार के मंत्रालयों की प्रेस ब्रीफिंग में पत्तन, पोत परिवहन और जलमार्ग मंत्रालय के विशेष सचिव राजेश कुमार सिन्हा ने बताया, शिवालिक एलपीजी कैरियर, जो फारस की खाड़ी से रवाना हुआ था, होर्मुज स्ट्रेट पार कर भारत पहुंचा। इसके साथ ही सिन्हा ने विश्वास दिलाया कि फारस की खाड़ी क्षेत्र में सभी भारतीय नाविक सुरक्षित हैं।

विधानसभा: घटिया चावल खरीदी को लेकर सदन में हंगामा

- नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने राइस मिलरों के संचालकों एवं अधिकारियों के विरुद्ध एफआईआर कराने की मांग की

रायपुर (विश्व परिवार)। विधानसभा में आज नागरिक आपूर्ति निगम कोरबा द्वारा अमानक चावल की खरीदी और राइस मिलरों द्वारा अमानक चावल देने के मामले को लेकर सदन में विपक्ष ने सरकार को घेरा। विपक्ष ने खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल के जवाब से असंतुष्ट होकर सदन से बहिर्गमन कर दिया। दयाल दास बघेल ने बताया कि इस प्रकरण में दो अधिकारियों को निलंबित किया गया तथा 10 को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है।

विस में आज कांग्रेस के व्यास कश्यप ने कोरबा जिले में नागरिक आपूर्ति निगम के संचालित संग्रहण केंद्रों, गोदाम में दूसरे जिले की आईडी एवं ओटीपी का उपयोग कर अमानक चावल खरीदने का मामला उठाया। उन्होंने पूछा की अमानक घटिया चावल की खरीदी पर कितना खर्च हुआ तथा दोषी अधिकारी कर्मचारियों को निलंबित किया गया है या किसी के विरुद्ध एफआईआर दर्ज की गई है। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने बताया कि बालोद बेमेतरा एवं जशपुर के कर्मचारियों की आईडी का उपयोग कर खरीदी किये गये चावल में से ८१५३.४८ क्विंटल चावल योग्य मानकों के अनुरूप नहीं पाया गया। इस पर ३.३४ लाख रुपये की राशि अनुमानित है। अमानक चावल जमा करने वालों में से एक कनिष्ठ सहायक एवं कनिष्ठ सहायक को निलंबित किया गया है। दो दोषी अधिकारियों एवं दस को निलंबित किया गया है। नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत ने चर्चा में भाग लेते हुए कहा कि यह पूरा मामला गंभीर है।

गंगलूर पोटाकेबिन में तीन नाबालिकों की गर्भवती होने का मामला सदन में गूंजा

विधानसभा में आज बीजापुर के गंगलूर पोटाकेबिन में तीन नाबालिको के गर्भवती होने का मामला गूंजा। विपक्ष ने आरोप लगाया कि सरकार इस मामले में पूर्णतः उदासीन है। शिक्षा मंत्री गजेन्द्र यादव ने कहा कि विपक्ष का यह आरोप गलत है, ये तीनों छात्राएं स्वामी आत्मानंद स्कूल में पढ़ती थी, तीनों ने बीच में स्कूल छोड़ दिया। सभापति धर्मजीत सिंह द्वारा स्थगन प्रस्ताव को खारिज किए जाने के विरोध में विपक्ष ने नारेबाजी की और सदन से उठकर चले गए। विधानसभा में आज कांग्रेस के विक्रम मंडावी ने स्थगन प्रस्ताव के माध्यम से आदिवासी छात्रावासों आश्रमों एवं पोटाकेबिन में रहने वाली छात्राओं के गर्भवती होने का मामला सदन में उठाया।

ई-केवाईसी प्रक्रिया आपूर्ण होने पर खाद्यान्न आबंटित से वंचित

विधानसभा में आज ई-केवाईसी के अपडेट न होने के कारण लाखों राशन कार्डधारियों को राशन नहीं मिलने का मामला सदन में कांग्रेस के दिलीप लहरिया ने उठाया। कांग्रेस के भूपेश बघेल ने कहा कि सर्वर डाउन होने के कारण हितग्राहियों का कार्ड अपडेट नहीं हो पा रहा है। खाद्य मंत्री दयाल दास बघेल ने कहा कि हितग्राहियों को ई-केवाईसी के लिए राशन दुकान में ई-पास मशीन का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा इन्ड्राइड मोबाइल या एप्प के माध्यम से इसे अपडेट कर सकते हैं। खाद्य मंत्री के जबाब से असंतुष्ट होकर विपक्ष ने सदन से बहिर्गमन कर दिय। विधानसभा में कांग्रेस के दिलीप लहरिया द्वारा बिलासपुर जिले में केवाइसी अपडेट न होने के कारण राशन कार्डधारियों का आबंटन रोक दिया गया है।

बिहार में एनडीए ने सभी 5 राज्यसभा सीटें जीतीं

नई दिल्ली। हरियाणा, बिहार और ओडिशा की 11 राज्यसभा सीटों के लिए सोमवार को मतदान हुआ। ह्ष्ठ ने बिहार की सभी पांचों राज्यसभा सीटों पर जीत दर्ज की है। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी ने ऐलान किया है। इस जीत के साथ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और बीजेपी अध्यक्ष नितिन नवीन राज्यसभा पहुंच गए हैं। हरियाणा और ओडिशा में काउंटिंग जारी है। हरियाणा में राज्यसभा चुनाव के लिए मतदान के दौरान दो कांग्रेस वोटों पर आपत्ति के बाद मतगणना की प्रक्रिया रोक दी गई। जानकारी के अनुसार बीजेपी के गौरव गौतम और किशन बेदी ने इन दोनों वोटों पर आपत्ति जताई। तीनों राज्यों में कुल 14 उम्मीदवार मैदान में हैं। बिहार और ओडिशा में मतदान के

दौरान कांग्रेस विधायकों ने क्रॉस वोटिंग की। ओडिशा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भक्त चरण दास ने माना है कि कांग्रेस विधायक दाशरथी गमांग, सोफिया फिरदोस और रमेश जेना ने पार्टी लाइन से हटकर मतदान किया है। बिहार में NDA के सभी 202 विधायकों ने वोट डाले हैं।

लोकसभा: देश में कुल 57.78 करोड़ जन धन खाते खोले गए

नई दिल्ली। देश में कुल 57.78 करोड़ जन धन खाते खोले गए, 55.8 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर: वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को लोकसभा में बताया कि प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) के तहत 25 फरवरी 2026 तक देश में कुल 57.78 करोड़ बैंक खाते खोले जा चुके हैं। इन खातों में कुल जमा राशि लगभग 2,94,702 करोड़ रुपए है।

वित्त मंत्री ने बताया कि इनमें से 32.21 करोड़ यानी करीब 55.8 प्रतिशत जन धन खाते महिलाओं के नाम पर हैं। वहीं करीब 45.17 करोड़ खाते (78.2 प्रतिशत) ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खोले गए हैं, जिससे वित्तीय सेवाओं की पहुंच गांवों तक बढ़ी है। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना (पीएमजेजेबीवाई) के तहत 25 फरवरी तक कुल 26.88 करोड़ लोगों ने नामांकन कराया है। इस योजना के तहत किसी भी कारण से मृत्यु होने पर 2 लाख रुपए का जीवन बीमा कवर मिलता है। वहीं प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना (पीएमएसबीवाई) के तहत 57.11 करोड़ नामांकन किए जा चुके हैं (25 फरवरी 2026 तक)। इस योजना के तहत एक साल के लिए दुर्घटना बीमा कवर मिलता है, जिसमें मृत्यु या पूर्ण स्थायी विकलांगता पर 2 लाख रुपए और आंशिक स्थायी विकलांगता पर 1 लाख रुपए की सहायता मिलती है।

55.8 प्रतिशत खाते महिलाओं के नाम पर: वित्त मंत्री

अटल पेंशन योजना (एपीवाई) के तहत भी 25 फरवरी 2026 तक कुल 8.84 करोड़ लोगों ने नामांकन कराया है, जिसके जरिए पात्र लोगों को हर महीने पेंशन देने की व्यवस्था की गई है।इसके अलावा, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना (पीएमएमवाई) के तहत 57.26 करोड़ लोन मंजूर किए जा चुके हैं, जिनकी कुल राशि 39.48 लाख करोड़ रुपए है। इस योजना के जरिए छोटे और सूक्ष्म कारोबारों को बिना गारंटी के 20 लाख रुपए तक का कर्ज दिया जाता है, ताकि वे विनिर्माण, व्यापार, सेवा क्षेत्र और कृषि से जुड़े कामों में आय बढ़ा सकें।

डाक विभाग शुरू करेगा '24 स्पीड पोस्ट' सेवा

नई दिल्ली। भारतीय डाक विभाग 17 मार्च 2026 से '24 स्पीड पोस्ट' सेवा शुरू करने जा रहा है। इस सेवा के तहत पार्सल और दस्तावेजों की तत्काल और समयबद्ध डिलीवरी के लिए अगले दिन वितरण की गारंटी दी जाएगी। इस सेवा का शुभारंभ केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया और संचार राज्य मंत्री चंद्र शेखर पेम्मासानी द्वारा किया जाएगा। कार्यक्रम 17 मार्च को दोपहर 12:30 बजे नई दिल्ली के आकाशवाणी भवन के रंगभवन सभागार में विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में आयोजित होगा। '24 स्पीड पोस्ट' सेवा के पहले चरण में दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, कोलकाता, बेंगलुरु और हैदराबाद जैसे छह प्रमुख शहरों में यह सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। इस सेवा के तहत भेजे गए पार्सल का अगले दिन वितरण सुनिश्चित किया जाएगा।नई सेवा के साथ '24' और '48' स्पीड पोस्ट सेवाएं समर्पित प्रोसेसिंग विंडो और प्राथमिकता वाले हवाई परिवहन के माध्यम से क्रमशः डी+1 और डी+2 वितरण समय-सीमा सुनिश्चित करेंगी।

अरविंद केजरीवाल को हाईकोर्ट से झटका

नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल को शराब घोटाले के मामले में दिल्ली हाईकोर्ट से झटका लगा है। इस मामले की सुनवाई कर रहीं जज जस्टिस स्वर्ण कांता शर्मा ने कहा कि इस मामले में जो भी अंतरिम आदेश हैं अभी वो ऐसे ही लागू रहेंगे और अगली सुनवाई 6 अप्रैल को होगी। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया सहित अन्य 21 लोगों पर शराब के घोटाले के आरोप लगे थे। निचली अदालत ने इन सभी लोगों को 27 फरवरी को इस केस से बरी कर दिया था। इस मामले में सीबीआई ने निचली अदालत के इस फैसले को दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी। जिस पर आज सुनवाई हुई।

तेल संकट के बीच केंद्र सरकार ने कहा- क्रूड ऑयल पर्याप्त मात्रा में मौजूद

नई दिल्ली। मिडिल ईस्ट जंग और तेल संकट के बीच केंद्र सरकार ने साफकिया है कि देश में क्रूड ऑयल पर्याप्त मात्रा में मौजूद है और एलपीजी-सीएनजी की 100 फीसदी सप्लाई है. पेट्रोलियम और नेचुरल गैस मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कई राज्यों में कमर्शियल एलपीजी का डिस्ट्रिब्यूशन शुरू किया गया है. उन्होंने कहा, 'सभी रिफाइनरियां अपनी पूरी क्षमता से काम कर रही हैं. हमारे पेट्रोल पंप सामान्य रूप से चल रहे हैं. कहीं भी तेल की कमी की कोई रिपोर्ट नहीं मिली है.' तेल संकट के बीच सरकार ने कहा कि देश में कच्चा तेल पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है. पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने बताया कि कई राज्यों में कमर्शियल एलपीजी की सप्लाई शुरू हो

चुकी है. सुजाता शर्मा ने बताया, 'जो भी लोग एलपीजी से पीएनजी पर शिफ्ट होना चाहते हैं वह कस्टमर केयर पर बात कर शिफ्ट कर सकते हैं. साथ ही ऑनलाइन विकल्प भी मौजूद है. पीएनजी कंपनी ने न्यू उपभोक्ताओं के लिए ऑफर भी जारी किया है. ऑनलाइन बुकिंग करें आपके सिलेंडर की डिलीवरी घर पर होगी.

गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में दर्ज हुआ छत्तीसगढ़ का सामूहिक विवाह

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ ने सामाजिक समरसता, जनभागीदारी और संवेदनशील शासन की दिशा में एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करते हुए विश्व स्तर पर अपनी विशिष्ट पहचान दर्ज कराई है। मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के अंतर्गत आयोजित राज्य स्तरीय सामूहिक विवाह समारोह को गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में स्थान मिला है। एक ही दिन में हजारों जोड़ों का विवाह संपन्न कराकर छत्तीसगढ़ ने सामाजिक एकता और अंत्योदय की भावना का ऐसा प्रेरक उदाहरण प्रस्तुत किया है, जिसकी देशभर में सराहना हो रही है। 10 फरवरी को राजधानी रायपुर के साइंस कॉलेज मैदान में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के सान्निध्य में पूरे प्रदेश से कुल 6,412 जोड़े वैवाहिक बंधन में बंधे। इनमें से 1,316 जोड़ों का विवाह रायपुर में प्रत्यक्ष रूप से संपन्न हुआ, जबकि शेष जोड़े प्रदेश के विभिन्न जिलों से वर्चुअल माध्यम से इस ऐतिहासिक आयोजन से जुड़े।

प्रश्न पत्र लीक मामले में एफआईआर दर्ज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल, रायपुर द्वारा दिनांक 14 मार्च 2026 को कक्षा 12 वीं की हिन्दी विषय की बोर्ड परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई। इस संबंध में मण्डल को दिनांक 15 मार्च 2026 को सायं 05 बजे सोशल मीडिया (व्हाट्सएप) तथा दिनांक 16 मार्च 2026 को मीडिया के माध्यम से यह जानकारी प्राप्त हुई कि छात्र संगठन द्वारा यह दावा किया गया है कि उक्त परीक्षा के एक दिन पूर्व दिनांक 13 मार्च 2026 को सोशल मीडिया पर हिन्दी विषय से संबंधित प्रश्नों का एक हस्तलिखित पर्चा वायरल हुआ था।

चुनाव से पहले पश्चिम बंगाल में ईसी का बड़ा कदम

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव से पहले चुनाव आयोग ने बड़ा कदम उठाते हुए राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी का तबादला कर दिया है। सिद्धार्थ नाथ गुप्ता नए डीजीपी और दुष्यंत नारियाला नए मुख्य सचिव नियुक्त किए गए हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों की तारीखों के ऐलान के तुरंत बाद निर्वाचन आयोग ने राज्य की प्रशासनिक व्यवस्था में बड़ी सर्जरी की है। आयोग ने निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए राज्य की वर्तमान मुख्य सचिव नंदिनी चक्रवर्ती और पुलिस महानिदेशक पीयूष पांडे को उनके पदों से हटा दिया है। आयोग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि हटाए गए अधिकारियों को चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक किसी भी चुनावी जिम्मेदारी में शामिल नहीं किया जाएगा। यह फैसला राज्य में चुनावी तैयारियों की समीक्षा के बाद लिया गया है।

सिद्धार्थ नाथ गुप्ता संभालेंगे पुलिस की कमान

राज्य के नए पुलिस महानिदेशक के रूप में 1992 बैच के अनुभवी अधिकारी सिद्धार्थ नाथ गुप्ता को नियुक्त किया गया है। गुप्ता को कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर बेहद सख्त और कुशल अधिकारी माना जाता है। उनके पास तीन दशकों का लंबा अनुभव है, जिसमें उन्होंने नंदीग्राम हिंसा, लालगढ़ का नक्सली आंदोलन और दार्जिलिंग के गोरखालैंड आंदोलन जैसी बेहद जटिल स्थितियों को नियंत्रित करने में अहम भूमिका निभाई है। राज्य में सांप्रदायिक तनाव और दंगों जैसी स्थितियों को संभालने का उनका अनुभव आगामी चुनावों के दौरान सुरक्षा व्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

दुष्यंत नारियाला नए मुख्य सचिव:

पुलिस प्रशासन के साथ-साथ राज्य की नौकरशाही में भी शीर्ष स्तर पर बदलाव किया गया है। वरिष्ठ ब्रूस अधिकारी दुष्यंत नारियाला को पश्चिम बंगाल का नया मुख्य सचिव नियुक्त किया गया है। इसके अलावा, चुनाव आयोग ने संघमित्रा घोष को प्रमुख सचिव के पद पर तैनात करने का आदेश दिया है। आयोग ने राज्य सरकार को सख्त लहजे में कहा है कि इन नियुक्तियों को तत्काल प्रभाव से लागू किया जाए और नए अधिकारी निर्धारित समय सीमा के भीतर अपना कार्यभार ग्रहण करें।

पश्चिम बंगाल चुनाव 2026:

भाजपा की 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा ने 144 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी की। सुवेंदु अधिकारी को नंदीग्राम और भबानीपुर से टिकट दिया गया है, जहां ममता बनर्जी से कड़ी टक्कर की संभावना है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव को लेकर सियासी सरगर्मी तेज हो गई है। भारतीय जनता पार्टी ने चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी है। इस सूची में कुल 144 उम्मीदवारों के नाम शामिल हैं। सबसे ज्यादा चर्चा सुवेंदु अधिकारी को लेकर हो रही है, क्योंकि पार्टी ने उन्हें दो अहम सीटों 'नंदीग्राम' और 'भबानीपुर' से टिकट दिया है। इन दोनों सीटों को बंगाल की राजनीति का सबसे बड़ा रण माना जा रहा है। दरअसल, नंदीग्राम वही सीट है, जहां 2021 के विधानसभा चुनाव में सुवेंदु अधिकारी ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को कड़े मुकाबले में हराया था। यह जीत बंगाल की राजनीति में ऐतिहासिक मानी गई थी और इसके बाद से यह सीट लगातार सुर्खियों में रही है।

कैदियों को तनावमुक्त रखने संगीत का सहारा

रायपुर। रायपुर के केंद्रीय जेल में बंदियों के मानसिक, शारीरिक और नैतिक विकास के उद्देश्य से 'निश्चय अभियान' के तहत विशेष सांगीतिक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में छत्तीसगढ़ हार्मोनिका क्लब के कलाकारों ने विभिन्न श्वास आधारित वाद्य यंत्रों के जरिए संगीत प्रस्तुत कर बंदियों को सकारात्मक ऊर्जा का संदेश दिया। यह कार्यक्रम जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। छत्तीसगढ़ हार्मोनिका क्लब के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में कलाकारों ने हार्मोनिका, बांसुरी, मेलोडिका और व्हिस्लिंग जैसे वाद्य यंत्रों के माध्यम से कई मनमोहक प्रस्तुतियां दीं। देशभक्ति गीतों की

मधुर धुनों ने कार्यक्रम को प्रेरणादायी बना दिया, जिससे बंदियों में सकारात्मक ऊर्जा का संचार हुआ। कार्यक्रम के दौरान बंदियों को संगीत के नियमित अभ्यास के लाभों के बारे में भी बताया गया। छत्तीसगढ़ हार्मोनिका क्लब के संस्थापक और पूर्व आईपीएस राजीव श्रीवास्तव ने कहा कि संगीत एक सशक्त माध्यम है, जो मन को शांत करने के साथ जीवन में सकारात्मकता और अनुशासन विकसित करता है। उन्होंने कहा कि बंदियों के पुनर्वास में संगीत जैसे रचनात्मक माध्यम बेहद उपयोगी साबित हो सकते हैं। जेल महानिदेशक हिमांशु गुप्ता ने कहा कि जेल केवल दंड का स्थान नहीं, बल्कि सुधार और पुनर्वास का केंद्र है।

दैनिक
विश्व परिवार
रायपुर/दुर्ग-भिलाई
रायपुर, सोमवार 17 मार्च 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

प्राथमिक शाला चुनाभट्टी का लोकार्पण, विद्यार्थियों को मिलेगा आधुनिक एवं प्रेरणादायी शैक्षणिक वातावरण

रायपुर (विश्व परिवार)। आज रायपुर के चुनाभट्टी स्थित शासकीय प्राथमिक शाला के जीर्णोद्धार एवं नवनिर्मित विद्यालय भवन के उद्घाटन समारोह का आयोजन अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम में सम्मिलित हुए और नवीन स्वरूप में सुसज्जित विद्यालय का लोकार्पण कर विद्यार्थियों के उज्वल भविष्य की कामना की।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा जी ने विद्यालय परिसर का अवलोकन किया तथा बच्चों, शिक्षकों और अभिभावकों से संवाद भी किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही वह सशक्त माध्यम है, जो किसी भी समाज और राष्ट्र के विकास की मजबूत आधारशिला रखता है। विद्यालय के जीर्णोद्धार और नवनिर्माण से यहां पढ़ने वाले विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित और प्रेरणादायी वातावरण में अध्ययन करने का अवसर प्राप्त होगा, जिससे उनका सर्वांगीण विकास सुनिश्चित हो सकेगा।

उन्होंने कहा कि शासन की मंशा है कि प्रत्येक बच्चे को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा उपलब्ध हो और विद्यालयों में आधुनिक सुविधाएँ विकसित की जाएँ। इसी सोच के साथ विद्यालयों के जीर्णोद्धार, कक्षाओं के सुदृढ़ीकरण और मूलभूत सुविधाओं के विस्तार पर निरंतर कार्य किया जा रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि आज के विद्यार्थी ही कल के राष्ट्रनिर्माता हैं, इसलिए उनके लिए बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराना हम सभी की प्राथमिक जिम्मेदारी है।

विधायक श्री मिश्रा जी ने उपस्थित जनसमुदाय को संबोधित करते हुए कहा कि समाज के सहयोग और जनप्रतिनिधियों के समन्वय से ही शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव संभव है। आने वाले समय में भी क्षेत्र के विद्यालयों के विकास, शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार तथा विद्यार्थियों को बेहतर संसाधन उपलब्ध कराने के लिए निरंतर प्रयास किए जाते रहेंगे।

कार्यक्रम के दौरान विद्यालय परिसर में विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध कराई गई नई सुविधाओं, कक्षाओं और परिसर के सौंदर्यीकरण की सभी ने सराहना की। नवीन स्वरूप में सुसज्जित यह विद्यालय निश्चित ही क्षेत्र के बच्चों को बेहतर वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अवसर प्रदान करेगा और उनके उज्ज्वल भविष्य की मजबूत नींव रखेगा।

इस अवसर पर रायपुर नगर निगम के सभापति श्री सूर्यकांत राठौर जी, मण्डल अध्यक्ष श्री जितेन्द्र गंडेचा जी, पार्षद एवं एमआईसी सदस्य श्री महेन्द्र खोडियार जी, जोन आयुक्त सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण, अधिकारीगण, विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाएँ, विद्यार्थी एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिक बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के अंत में सभी अतिथियों ने विद्यालय परिवार को शुभकामनाएँ देते हुए बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की और शिक्षा के क्षेत्र में निरंतर प्रगति के लिए सामूहिक संकल्प व्यक्त किया।

मकान नम्बरिंग कार्य की प्रगति की आयुक्त ने ली जानकारी

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। भारत की जनगणना 2026-27 के लिए मकान सूचीकरण कार्य शासन के निर्देशानुसार अप्रैल से सितम्बर 2026 के मध्य निर्धारित 30 दिनों की अवधि में संचालित किया जाना प्रस्तावित है। निर्देशानुसार राज्य शासन द्वारा मकान सूचीकरण कार्य संपादित करने 1 मई से 30 मई 2026 तक निर्धारित किया गया है। जनगणना संबंधी दिशा निर्देश के परिपालन तथा प्रारंभिक तैयारी व मकान सूचीकरण का कार्य निगम सीमाक्षेत्र में किया जा रहा है। मकान नम्बरिंग कार्य की प्रगति की जानकारी लेने निगम आयुक्त श्री अतुल विश्वकर्मा ने आज बैठक लेकर वार्डवार समीक्षाकर नम्बरिंग कार्य की प्रगति की जानकारी ली।

नगर निगम दुर्ग की बजट सामान्य सभा आज मोतीलाल वोरा सभागार में होगी अहम बैठक

दुर्ग (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम, दुर्ग की बजट सामान्य सभा की बैठक दिनांक 17 मार्च 2026, दिन मंगलवार को प्रातः 11:00 बजे से श्रद्धेय मोतीलाल वोरा सभागार में आयोजित की जाएगी। बैठक की अध्यक्षता नगर निगम सभापति श्याम शर्मा करेंगे। इस अवसर पर महापौर श्रीमती अलका बाघमार, एमआईसी सदस्यगण, समस्त पार्षदगण तथा निगम के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहेंगे।बैठक में नगर निगम के बजट सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रातः 11:30 बजे से प्रश्नकाल प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें पार्षदगण शहर के विकास एवं जनहित से जुड़े मुद्दों पर अपने प्रश्न और सुझाव रखेंगे।

सामान्य सभा के सफल आयोजन को लेकर नगर निगम प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं, ताकि बैठक सुव्यवस्थित एवं प्रभावी रूप से संपन्न हो सके।

भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड तक सड़क निर्माण में देरी को लेकर महापौर हुए नाराज

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर की महापौर श्रीमती मीनल चौबे ने भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड तक किये जा रहे सड़क डामरीकरण कार्य में अत्यधिक विलम्ब को लेकर गहन नाराजगी व्यक्त की है. महापौर की गहन नाराजगी के बाद नगर निगम रायपुर के कार्यपालन अभियंता ने 15वें वित्त आयोग मद अंतर्गत भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड तक नगर निगम रायपुर द्वारा करवाये जा रहे इको फ्रेंडली सड़क निर्माण को अगले तीन दिनों के भीतर प्रारम्भ करने के निर्देश सम्बंधित अनुबंधित ठेकेदार मेसर्स नरेश एंड कम्पनी को नोटिस जारी करते हुए दिए हैं एजेंसी को नोटिस दी गयी है कि विगत 18 फरवरी 2026 को कार्य की गति बढ़ाने और पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने हेतु दिए गए निर्देशों, बार -बार के निर्देशों के बाद भी यह अत्यंत खेदजनक है कि एजेंसी द्वारा अब तक सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारम्भ नहीं किया गया है, मार्ग में यातायात का भारी दबाव होने के कारण कार्य में देरी से न केवल परियोजना की प्रगति बाधित हो रही है, बल्कि इससे निगम की छबि प्रभावित हो रही है और आमजनता और जनप्रतिनिधियों में भारी आक्रोश की स्थिति निर्मित हो रही है.

कार्यपालन अभियंता ने अनुबंधित एजेंसी मेसर्स नरेश एंड कम्पनी को नोटिस प्राप्ति के तीन दिन के भीतर अनिवार्य रूप से सड़क डामरीकरण का कार्य प्रारम्भ करवाना सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, समयसीमा के भीतर कार्य प्रारम्भ नहीं किये जाने पर एजेंसी पर अनुबंध की कंडिका 2 एवं 3 के प्रावधान अनुसार दण्डात्मक कार्यवाही की जाएगी, जिसके लिए एजेंसी स्वयं जिम्मेदार रहेगी.

मोतीपुर वार्ड निरीक्षण, बड़े तालाब एवं उद्यान का महापौर ने लिया जायजा

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। सुबह वार्ड निरीक्षण की कडी में महापौर श्री मधुसूदन यादव शहर के शीर्ष वार्ड में मोतीपुर क्षेत्र मे लोक निर्माण विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा के साथ पैदल भ्रमण कर वार्डवासियो से पानी सफाई के साथ साथ वार्ड विकास के संबंध में चर्चा किए। उन्होंने मोतीपुर बड़े तालाब की सफाई करने तथा उद्यान का जीर्णोद्धार करने के निर्देश दिए।महापौर श्री यादव मोतीपुर में सघन भ्रमण कर वार्ड वासियो से रूबरू हो पानी सफाई संबंधी चर्चा कर कहा कि आगामी स्वच्छता सर्वेक्षण को देखकर नगर निगम द्वारा साफ सफाई मे विशेष ध्यान दिया जा रहा है। लेकिन सर्वेक्षण मे आप लोगो का सहयोग अपेक्षित है, आप लोग स्वच्छता से जुडे और अपने लोगो को भी इससे जोडे। बिना आपके सहयोग के हमारा शहर सर्वेक्षण में अच्छा अंक प्राप्त नही कर सकता। उन्होंने सफाई अमला से भी कहा कि जन भावनाओ के अनुरूप सभी क्षेत्रों में साफ सफाई रखे, लोगो को स्वच्छता से जोड़े। मोतीपुर बड़े तालाब निरीक्षण के दौरान महापौर ने सफाई अमला से कहा कि तालाब के किनारे साफ सफाई करे, तालाब में गंदगी न डालने बोर्ड लगावे, तालाब के आस पास आवश्यक व्यवस्था सुनिश्चित करे। उन्होंने नागरिको से भी कहा कि तालाब में कचरा न डाले, क्योकि तालाबो को

औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र और उचित मूल्य दुकानों की स्थापना एवं वनांचल क्षेत्रों के विकास का उठाया मुद्दा

पंडरिया (विश्व परिवार)। पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने बजट सत्र के दौरान प्रदेश व कबीरधाम जिले से जुड़े प्रमुख विषयों और मुद्दों को सदन के समक्ष प्रमुखता से रखा। इस दौरान उन्होंने बजट चर्चा के दौरान क्षेत्र के युवाओं के कौशल विकास व प्रशिक्षण हेतु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना, विधानसभा के वनांचल क्षेत्र में इको टूरिज्म को बढ़ावा देने और वनांचल व विभिन्न क्षेत्रोंन में उचित मूल्य दूकान की स्थपाना तथा जर्जर दुकानों के मरम्मत की मांग प्रमुखता से रखा। भावना बोहरा ने तकनिकी शिक्षा विभाग अंतर्गत ग्राम बाजार चारभाठा एवं नगर पंचायत पांडातराई में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना, सहकारिता विभाग अंतर्गत ग्राम बांगर, ढोठमानवापारा, मगरवाह सरइपतेराकला,नगर पांडातराई के नयापारा वार्ड 2 एवं ग्राम मजगांव में नवीन शासकीय उचित मूल्य दूकान खोलने एवं ग्राम बहरमुड़ा, सेन्हाभाठा, बसनी, रेंगाबोड़, पटुआ, माकरी, दनियाखुर्द एवं नवागाँवखुर्द स्थित उचित मूल्य दूकान की मरम्मत कार्य की मांग रखी। इसके साथ ही उन्होंने वन विभाग अंतर्गत वनांचल क्षेत्र कुकदूर में वन अग्नि नियंत्रण हेतु फायर वॉच टावर और फायर कंट्रोल सेन्टर की स्थापना और भैंसाओदार प्राकृतिक स्थल पर इको-टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए इंटरप्रिटेशन सेंटर, व्यू पॉइंट और ट्रैकिंग ट्रेल, पर्यटक कॉटेज विकसित करने की मांग भी की।

भावना बोहरा ने प्रश्नकाल के दौरान वनांचल एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्र के विषय में प्रश्न किया कि कबीरधाम जिले के वनांचल एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में संचालित ऐसे कितने आंगनबाड़ी केंद्र हैं, जो जनवरी, 2026 तक पक्के भवन, पेयजल, शौचालय, बिजली तथा सुरक्षित भंडारण जैसी मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं? उक्त आंगनबाड़ी केंद्रों में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने हेतु सरकार द्वारा क्या समयबद्ध कार्ययोजना बनाई गई है? विभाग द्वारा कबीरधाम जिले के दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में संचालित ऐसे कितने आंगनबाड़ी केन्द्रों को चिन्हित किया गया है, जहाँ समुचित परिवहन व्यवस्था के अभाव में पोषण आहार नियमित एवं समय पर उपलब्ध नहीं हो पा रहा है? जिसके लिखित उत्तर में महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े जी ने बताया कि कबीरधाम जिले के वनांचल एवं अनुसूचित जनजाति बाहुल्य क्षेत्रों में संचालित आंगनबाड़ी केन्द्रों मे जनवरी 2026 की स्थिति में 54 केन्द्रों में पक्के भवन, 192 केन्द्रों में शौचालय एवं 326 केन्द्रों में बिजली नहीं हैं। वित्तीय संसाधनों एवं बजट उपलब्धता के आधार पर आंगनबाड़ी केन्द्रो में मूलभूत सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। कबीरधाम जिले में खाद्य विभाग द्वारा पण्डरिया विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत कुकदुर परियोजना के 02 ग्राम पंचायत के उचित मूल्य के दूकान को पहुंचविहीन क्षेत्र के रूप में चिन्हांकित किया गया है। जिसके अंतर्गत 11 आंगनबाड़ी केन्द्र शामिल है किन्तु दुर्गम वनांचल क्षेत्रों में संचालित सभी आंगनबाड़ी केन्द्रों में पूरक पोषण आहार नियमित रूप से समय पर उपलब्ध हो रहा है।

अवंती बाई चौक से शीतला कॉम्प्लेक्स तक बनेगी भव्य कैनाल रोड, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

भिलाई नगर (विश्व परिवार)। शहर के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने और यातायात को सुगम बनाने की दिशा में प्रशासन ने एक बड़ा कदम उठाया है। कलेक्टर अभिजीत सिंह, नगर निगम आयुक्त राजीव कुमार पांडेय एवं लोक निर्माण विभाग (क्कङ्ख्रष्ठ) के कार्यपालन अभियंता की उपस्थिति में प्रस्तावित कैनाल रोड का विस्तृत निरीक्षण किया गया।यह प्रस्तावित मार्ग अवंती बाई चौक से पॉवर हाउस स्थित शीतला कॉम्प्लेक्स तक बनाया जाना है। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने परियोजना की बारीकियों और धरातलीय चुनौतियों का जायजा लिया ।लोक निर्माण विभाग द्वारा प्रस्तावित सड़क की मार्किंग (सीमांकन) का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। निरीक्षण के दौरान रोड के एलाइनमेंट और चौड़ाई का सूक्ष्मता से अवलोकन किया गया।

कैनाल रोड के निर्माण में बाधा बन रहे सभी अवैध अतिक्रमणों को चिन्हित कर लिया गया है। प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि सड़क निर्माण के कार्य को निर्बाध गति से चलाने के लिए जल्द ही अतिक्रमण हटाने की कार्यवाही शुरू की जाएगी।?इस सड़क के बनने से पॉवर हाउस क्षेत्र और अवंती बाई चौक के बीच यातायात का दबाव कम होगा और नागरिकों को एक वैकल्पिक सुगम मार्ग उपलब्ध होगा। कलेक्टर अभिजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि निर्माण कार्य में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए और समय-सीमा के भीतर आवश्यक प्रारंभिक प्रक्रियाओं को पूरा किया जाए।

निरीक्षण के दौरान अनुविभागीय दंडाधिकारी हितेश पिस्दा, तहसीलदार डिगेश्वर साहू, जोन आयुक्त अजय राजपूत, कार्यपालन अभियंता संजय अग्रवाल, उप अभियंता शबनम निशा एवं अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com
पत्र क्र./29446/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29446
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651S6C278 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती VINOD KUMAR AGRAWAL पिता/पति, श्री/श्रीमती RAMESHWAR LAL AGRAWAL के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती PRADEEP KUMAR SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती PREM DAN SINGH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./29339 / न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29339
वार्ड का नाम-33 - शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR332I0192 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHEKH HAMID , SHEKH AZIZ , SHEKH SALIM, SHEKH HUSAIN KURESHI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHEKH CHOTE URF KARIM KURESHI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती रूकैया खातून पिता/पति श्री/श्रीमती पति - शेख अलीम ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./29438/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29438
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR331A00322 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती BHUPAT SHAH LATE. VENJCHAND AND SHASHIKALA SHAH पिता/पति श्री/श्रीमती S/O BHUPAT SHAH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती 1. BHUPAT SHAH S/O LATE. VENJCHAND SHAH पिता/पति श्री/श्रीमती 2. GAURAV SHAH 3. DEVESH SHAH S/O BHUPAT SHAH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हकत्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./29440/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29440
वार्ड का नाम-30 - शंकर नगर वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 30 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR328C00172 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती MR. JAYENDRA VAKHARIA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O MR. KRISHNA CHANDRA VAKHARIA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती KHUSHBOO DHAN पिता/पति श्री/श्रीमती D/O JOGENDRA NATH DHAN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./29442/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29442
वार्ड का नाम-47 - मदर टेरेसा वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 47 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR443G00270 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHAILU NIRMALKAR पिता/पति श्री/श्रीमती W/O PRAHLAD NIRMALKAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MAYA NIRMALKAR पिता/पति श्री/श्रीमती D/O PRAHLAD NIRMALKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत हकत्याग विलेख / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./29474/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29474
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR737A00132 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती SUKHVINDAR KAUR पिता/पति, श्री/श्रीमती MANOHAR SINGH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्री मेघा राम चौधरी पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री अमारा राम चौधरी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-3)
शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुर
E-mail ID - rmczone3@gmail.com
पत्र क्र./29338/ न.पा.नि./जोन क्र.-3/2026
रायपुर, दिनांक 16-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29338
वार्ड का नाम-33 - शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड- 33 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR332I00192 जो कि निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SHEKH HAMID , SHEKH AZIZ , SHEKH SALIM, SHEKH HUSAIN KURESHI पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHEKH CHOTE URF KARIM KURESHI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती जुलेखा खातून पिता/पति श्री/श्रीमती पति - शेख हुसैन ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ आपसी बंटवारानामा एवं शपथ पत्र / वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
-सूचना जारी करें-
श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं.- (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-2)
शहीद स्मारक स्कूल भवन, फाफाडीह, रायपुर
Email ID - rmczone2@gmail.com
पत्र क्रं./29452/न.पा.नि./जोन क्रं.-2/2026
रायपुर दिनांक : 15-03-2026
इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 29452
वार्ड का नाम- 27- इंदिरा गांधी वार्ड
एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 27 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.-RPR738D0293A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती SHARAD KUMAR DESHMUKH पिता/पति, श्री/श्रीमती SADASHIV DESHMUKH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती श्रीमती दया घिंडवानी पिता/पति, श्री/श्रीमती श्री संतोष कुमार घिंडवानी ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।
सूचना जारी करें
श्री संतोष पाण्डेय
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक- (2)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय सम्पदा अधिकारी, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.), फोन नं.- 0771-4903223
Email Id: eocghbzone02@gmail.com
आम-सूचना
सर्व-साधारण को सूचित किया जाता है कि अटल आवास योजनांतर्गत मुनगी फेस-01, जिला-रायपुर में स्थित भवन क्रमांक 356, श्री भवदीश शर्मा पिता श्री शिव बल्लभ शर्मा के नाम से स्ववित्तिय आधार पर आबंटित है। आबंटी द्वारा उक्त भवन की लीजडीड दिनांक 05.03.2014 पंजीकृत कराने उपरान्त भवन की पूर्ण राशि जमाकर दिनांक 02.06.2014 को आधिपत्य आदेश प्राप्त कर लिया है, वर्तमान में आबंटी श्री भवदीश शर्मा पिता श्री शिव बल्लभ शर्मा निवासी:- एल.आई.जी.-79 हाउसिंग बोर्ड कालोनी मुनगी, तह आरंग, जिला रायपुर (छ.ग.) के द्वारा उक्त भवन को श्री पुष्पेन्द्र सिंह गौतम पिता श्री सूर्यापाल सिंह गौतम निवासी: मकान नं.-03 आकाश विहार सरकण्डा, जिला बिलासपुर (छ.ग.) के नाम से विक्रय करने के लिये इस कार्यालय में अपना आवेदन प्रस्तुत कर अनापत्ति प्रमाण पत्र (NOC) की मांग की गई है।
अत: उक्त भवन के विक्रय के संबंध में किसी व्यक्ति, शासकीय व अर्द्धशासकीय संस्था, निकाय, बैंक, अथवा वित्तिय संस्था, को कोई आपत्ति हो तो इस आम सूचना प्रकाशन के 15 दिवस के अन्दर लिखित आपत्ति मय दस्तावेज अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा बाद में प्राप्त होने वाली आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।
सम्पदा अधिकारी,
छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मण्डल,
सम्पदा प्रबंधन प्रक्षेत्र-02, रायपुर (छ.ग.)

टाइगर रिजर्व में शिकारियों पर बड़ा शिकंजा

गुलेल से उड़न गिलहरी और तीर-धनुष से कोटरी का शिकार, भरमार बंदूक के साथ 5 आरोपी गिरफ्तार

उदंती-सीतानदी एंटी पोचिंग टीम की बड़ी कार्रवाई, कई जिलों में तस्करों पर लगातार दबिश

गरियाबंद (विश्व परिवार)। उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व की एंटी पोचिंग टीम ने वन्यजीवों के अवैध शिकार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए ओडिशा के पांच शिकारियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों ने गुलेल से उड़न गिलहरी तथा तीर-धनुष से कोटरी का शिकार किया था। कार्रवाई के दौरान एक आरोपी के पास से भरमार बंदूक भी बरामद की गई है। वन विभाग ने शिकारियों और वन्यजीव तस्करों को कड़ी चेतावनी देते हुए साफ कहा है कि टाइगर रिजर्व क्षेत्र से 50 किलोमीटर दूर रहें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

यह कार्रवाई प्रधान मुख्य वन संरक्षक (वन्यप्राणी) अरुण पाण्डे, मुख्य वन संरक्षक एवं क्षेत्र संचालक सतोविशा समाजदार तथा उप निदेशक वरुण जैन के मार्गदर्शन में की गई।

उदंती-सीतानदी टाइगर रिजर्व गरियाबंद के अंतर्गत परिक्षेत्र इंदागांव (धुरवागुड़ी) बफर के पीपलखूंटा बीट कक्ष क्रमांक 1204 में ओडिशा के चार व्यक्तियों—चमरु पिता लहरिया कमार, मनीराम पिता तुलसीराम पारधी, गुड्डु पिता पोड़ाराम कमार और लखमु पिता तुलसीराम पारधी, निवासी ग्राम अछला थाना रायघर जिला नवरंगपुर (ओडिशा) को वन्यप्राणी कोटरी के अवैध शिकार के मामले में पकड़ा गया।

वन विभाग ने इस मामले में पीओआर प्रकरण क्रमांक 16/392 दिनांक 13 मार्च 2026 दर्ज कर आरोपियों के खिलाफ वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम 1972 की धारा 9, 27, 29, 31, 39(1)(द), 50, 50(स), 51 और 52 के तहत कार्रवाई की। आरोपियों को प्रथम श्रेणी न्यायालय देवभोग में पेश किया गया, जहां से न्यायालय के आदेश के बाद उन्हें 14 दिन की न्यायिक हिरासत में उप जेल गरियाबंद भेज दिया गया।

पूछताछ में बड़ा खुलासा- गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के दौरान उनकी निशानदेही पर ग्राम कोलिहाडबरी (ओडिशा) निवासी हिरासिंग पिता कान्दरु कमार के पास से एक भरमार बंदूक बरामद की गई। वहीं फरार आरोपी गुड्डु के घर से अज्ञात वन्यप्राणी (बयान के आधार पर कोटरी) का कच्चा मांस भी जब्त किया गया है।

वन विभाग के अनुसार इस शिकार प्रकरण में पांच अन्य आरोपी अभी फरार हैं, जिनकी पतासाजी कर तलाश की जा रही है और उनके संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दी जा रही है।

ओडिशा के कई जिलों में दबिश- एंटी पोचिंग टीम नुआपाड़ा, नबरंगपुर, कालाहांडी, बोलांगीर और रायगढ़ा जिलों में भी जाकर शिकारियों और वन्यजीव तस्करों के खिलाफ कार्रवाई कर चुकी है। वन विभाग का कहना है कि शिकार और तस्करी के नेटवर्क को खत्म करने के लिए यह अभियान लगातार जारी रहेगा।

इन अधिकारियों और कर्मचारियों की रही अहम भूमिका- पूरी कार्रवाई में सहायक संचालक (उदंती) मैनपुर, गोपाल सिंह कश्यप, परिक्षेत्र अधिकारी इंदागांव सुशील कुमार सागर, दक्षिण उदंती के वन परिक्षेत्र अधिकारी चन्द्रबली ध्रुव, वनपाल भूपेन्द्र कुमार सोनी, वनरक्षक जय ललिता ध्रुव, पामेश्वरी, वीरेंद्र कुमार ध्रुव, टकेश्वर देवागन, रुस्तम यादव, देवीसिंग यादव, गिरधारी बिसी, जानकी बाई ठाकुर सहित वन सुरक्षा श्रमिकों का विशेष योगदान रहा। इसके अलावा ओडिशा के नवरंगपुर वनमंडल के एसीएफ सुभाष खुटिया तथा वहां के वन कर्मचारियों ने भी इस कार्रवाई में महत्वपूर्ण सहयोग दिया।

चैत्र नवरात्रि की पावन बेला में सजेगा कुदरगढ़, सीर्ली सेटिया समेत स्थानीय व नामचीन कलाकार बिखेरेंगे सुरों का जादू

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) चैत्र नवरात्रि के पावन पर्व पर माता कुदरगढ़ी की पुण्यभूमि एक बार फिर भक्ति, संस्कृति और उल्लास से सराबोर होने जा रही है। सूरजपुर जिले के विकासखंड ओड़गी अंतर्गत ग्राम पंचायत कुदरगढ़ में तीन दिवसीय कुदरगढ़ महोत्सव 2026 का भव्य आयोजन 23 मार्च से 25 मार्च 2026 तक किया जाएगा। आस्था और उत्सव के इस अनूठे संगम में जिले के नागरिक, श्रद्धालु एवं संस्कृति प्रेमी अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगें।

महोत्सव के प्रथम दिन 23 मार्च को सुप्रसिद्ध ''भजन बैंड-लीला'' अपनी मनमोहक भक्तिमय प्रस्तुति से श्रोताओं को भाव-विभोर करेगें। वहीं महोत्सव के समापन दिवस 25 मार्च को सुप्रसिद्ध गायिका सीर्ली सेटिया अपनी मधुर आवाज से दर्शकों को मंत्रमुग्ध करेंगी, जो नि:संदेह महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण रहेगा। तीनों दिन स्थानीय एवं छत्तीसगढ़ी कलाकारों द्वारा भक्तिमय एवं सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी जाएंगी, जो क्षेत्र की लोक परंपराओं की जीवंत झलक प्रस्तुत करेंगी।

यह तीन दिवसीय महोत्सव 23 मार्च से 25 मार्च 2026 तक ग्राम पंचायत कुदरगढ़, विकासखंड ओड़गी, जिला सूरजपुर में आयोजित होगा। प्रतिदिन दोपहर 2:00 बजे से सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सिलसिला शुरू होगा, जो देर शाम तक दर्शकों को बांधे रखेगा।

जिला प्रशासन सूरजपुर ने जिले के समस्त नागरिकों से अपील की है कि वे अपनी गरिमामय उपस्थिति से महोत्सव को भव्य बनाएं।

17 मार्च से 21 अप्रैल तक जिले में चलेगा ''शिशु संरक्षण माह

कुदरगढ़ महोत्सव की तैयारियों को लेकर की गई चर्चा

समय सीमा की बैठक सम्पन्न

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री विजेन्द्र सिंह पाटले की अध्यक्षता में समय-सीमा की बैठक आहुत की गई, जिसमें जिले की विभिन्न प्राथमिकताओं पर गहन चर्चा एवं समीक्षा की गई।

बैठक में 17 मार्च से 21 अप्रैल तक संचालित होने वाले शिशु संरक्षण माह अभियान के क्रियान्वयन को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की गई। सीईओ श्री पाटले ने स्वास्थ्य विभाग को अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु माइक्रो स्तर पर कैलेंडर आधारित कार्य-योजना तैयार करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, शिक्षा विभाग तथा अन्य संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिये। यह अभियान 06 माह से 05 वर्ष तक के बच्चों पर केंद्रित है, जिसके तहत विटामिन-ए सिरप, आयरन सिरप वितरण, टीकाकरण, पोषण जांच तथा स्वास्थ्य शिक्षा जैसी महत्वपूर्ण गतिविधियां संचालित की जाएंगी। टीकाकरण से छूटे हुए बच्चों को बी.सी.जी., हेपेटाइटिस बी, डी.पी.टी., ओ.पी.वी., मीजल्स-रूबेला तथा पेंटावेलेंट के टीके लगाए जाएंगे। बैठक में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर 23 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाले कुदरगढ़ महोत्सव के सफल संपादन को लेकर भी गहन समीक्षा की गई। महोत्सव की तैयारियों और व्यवस्थाओं में लगे विभिन्न विभागों के अधिकारियों से उनके निर्धारित दायित्वों की अद्यतन जानकारी ली गई।

इसके साथ ही जिले के विभिन्न विभागों में लंबित प्रकरणों की भी विस्तृत समीक्षा की गई। सीईओ श्री पाटले ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी लंबित प्रकरणों का प्राथमिकता के आधार पर परीक्षण कर उनका उचित एवं समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि किसी भी प्रकरण को अनावश्यक रूप से लंबित न रखा जाए तथा जनहित के मामलों का त्वरित निपटारा करते हुए आम नागरिकों को समय पर लाभ पहुँचाया जाए।

बैठक में डीएफओ श्री डी.पी. साहू, अपर कलेक्टर श्री जगन्नाथ वर्मा, संयुक्त कलेक्टर श्री पुष्पेंद्र शर्मा, सर्व एसडीएम एवं अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

गरियाबंद पुलिस कप्तान की अनोखी पहल : पुलिस अधिकारियों-कर्मचारियों के लिए साप्ताहिक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला शुरू

गरियाबंद (विश्व परिवार)। जिले में पुलिस प्रशासन को और अधिक दक्ष, पारदर्शी और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर के निर्देशन में जिला पुलिस कार्यालय में 16 मार्च से 21 मार्च 2026 तक साप्ताहिक विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल के तहत जिले के सभी पुलिस अधिकारी और कर्मचारी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं।

इस कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य पुलिस बल की कार्यक्षमता बढ़ाना, कर्मचारियों को प्रशासनिक नियमों से अवगत कराना और आधुनिक तकनीकी प्रक्रियाओं में दक्ष बनाना है। प्रशिक्षण के दौरान कर्मचारियों को सेवा से जुड़े महत्वपूर्ण विषयों जैसे सर्विस रिकॉर्ड के संधारण, वेतन निर्धारण, यात्रा भत्ता (टीए), पेंशन नियम तथा एस.आर. से संबंधित विस्तृत जानकारी दी जा रही है, ताकि विभागीय कार्यों में पारदर्शिता आए और कर्मचारियों के व्यक्तिगत सेवा मामलों का त्वरित निराकरण हो सके।

बदलते अपराधों के दौर को देखते हुए विवेचकों को साइबर अपराधों की रोकथाम और जांच की आधुनिक तकनीकों का भी प्रशिक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 1930 साइबर हेल्पलाइन के उपयोग, शिकायतों के त्वरित निराकरण और डिजिटल साक्ष्यों के महत्व पर भी विस्तार से जानकारी दी गई। प्रशिक्षण सत्र में सीसीटीएनएस (क्राइम एंड क्रिमिनल ट्रैकिंग नेटवर्क एंड सिस्टम्स) के प्रभावी उपयोग पर विशेष जोर दिया गया। अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि सभी मामलों की डेटा एंट्री समय पर और सटीक तरीके से की जाए, ताकि ऑनलाइन रिकॉर्ड प्रबंधन और अपराध विश्लेषण की प्रक्रिया मजबूत हो सके।

इसके अलावा भारत सरकार की द्धत्नह्ज्ञ मिशन कर्मयोगी पहल के अंतर्गत द्धत्नह्ज्ञ कर्मयोगी प्लेटफॉर्म के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण में बताया गया कि पुलिसकर्मी इस डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी कार्यक्षमता और कौशल को कैसे बढ़ा सकते हैं तथा विभिन्न ऑनलाइन पेशेवर कोर्स पूरा कर सकते हैं। इस विशेष प्रशिक्षण कार्यशाला में जिले के विभिन्न थानों और रक्षित केंद्र से आए अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में शामिल हुए। पुलिस प्रशासन का मानना है कि ऐसे नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों से पुलिस की कार्यप्रणाली में सुधार होगा, तकनीकी दक्षता बढ़ेगी और पुलिसकर्मियों का मनोबल भी मजबूत होगा।

गर्भाशय कैंसर से बचाव सूरजपुर जिला चिकित्सालय में एचपीवी टीकाकरण अभियान का शुभारंभ

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) बेटियों को सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से सुरक्षित रखने की दिशा में सूरजपुर जिले ने आज एक महत्वपूर्ण कदम उठाया। कलेक्टर श्री एस. जयवर्धन के निर्देशानुसार एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी के मार्गदर्शन में जिला चिकित्सालय सूरजपुर में 14 वर्ष की किशोरियों को एचपीवी वैक्सीन लगाकर जिले में इस अभियान का विधिवत शुभारंभ किया गया।

राष्ट्रीय से जिला स्तर तक- महिलाओं में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से केंद्र सरकार द्वारा यह विशेष एचपीवी टीकाकरण अभियान संचालित किया जा रहा है। इस अभियान का राष्ट्रीय स्तर पर शुभारंभ 28 फरवरी को राजस्थान के अजमेर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किया गया था। राज्य स्तर पर इसका शुभारंभ मनेन्द्रगढ़-चिरमिरी-भरतपुर जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खडगांवां से मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री द्वारा किया गया। इसी कड़ी में आज 16 मार्च को सूरजपुर जिले में भी यह अभियान प्रारंभ हो गया है।

टीकाकरण की व्यवस्था- जिला चिकित्सालय स्थित 100 बिस्तरीय मातृत्व एवं शिशु अस्पताल के टीकाकरण कक्ष में प्रतिदिन प्रात: 9:00 बजे से दोपहर 1:00 बजे तक यह टीकाकरण किया जाएगा। यह अभियान सार्वभौमिक टीकाकरण कार्यक्रम के अंतर्गत नहीं, बल्कि एक विशेष राष्ट्रीय अभियान के रूप में संचालित किया जा रहा है। अभियान के तहत 14 वर्ष आयु वर्ग की किशोरियों को गार्डासिल नामक क्वाड्रिवैलेंट एचपीवी वैक्सीन की एक खुराक दी जाएगी, जो सर्वाइकल कैंसर से बचाव में अत्यंत प्रभावी मानी जाती है।

आज के शुभारंभ कार्यक्रम में सिविल सर्जन सह अस्पताल अधीक्षक डॉ. अजय मरकाम, जिला टीकाकरण अधिकारी डॉ. प्रियंका पटेल, शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. आरआरएस सिंह, उपेंद्र सिंह, सतेंद्र खुटे, महिला स्वास्थ्य कार्यकर्ता कुसुम, विमला स्वामी, मंजू, ममता, मीडिया प्रभारी संदीप गुप्ता एवं मितानिन बहनें उपस्थित रहीं।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. कपिल देव पैकरा ने जिले के अभिभावकों से आग्रह किया है कि वे अपनी 14 वर्षीय बेटियों को टीकाकरण केंद्र लाकर एचपीवी वैक्सीन अवश्य लगवाएं, ताकि भविष्य में सर्वाइकल कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से उनकी सुरक्षा सुनिश्चित की जा सकें।

संक्षिप्त समाचार

560 किलो से अधिक गांजा और 190 नशीली गोलियां नष्ट

गरियाबंद। नशे के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गरियाबंद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एनडीपीएस एक्ट के विभिन्न प्रकरणों में जब्त भारी मात्रा में मादक पदार्थों का विधिसम्मत नष्टीकरण किया। जिला औषधि निपटान समिति की देखरेख में कुल 34 प्रकरणों में जब्त 560.680 किलोग्राम गांजा तथा 02 प्रकरणों में जब्त 190 नग नशीली टेबलेट को नष्ट किया गया। यह पूरी प्रक्रिया रायपुर स्थित जायसवाल निको स्टील पावर प्लांट के फर्नेस में संपन्न हुई, जहां इन जहरीले मादक पदार्थों को उच्च तापमान पर जलाकर पूरी तरह नष्ट कर दिया गया। नष्टीकरण की कार्यवाही के दौरान केंद्रीय गृह मंत्रालय, नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो तथा पुलिस मुख्यालय के दिशा-निर्देशों का पूर्ण पालन किया गया। साथ ही इस प्रक्रिया के लिए छत्तीसगढ़ पर्यावरण संरक्षण मंडल से विधिवत अनुमति भी प्राप्त की गई थी। इस दौरान जिला औषधि निपटान समिति के अध्यक्ष एवं पुलिस अधीक्षक वेदव्रत सिरमौर, सदस्य अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक धीरेन्द्र पटेल तथा सदस्य जिला आबकारी अधिकारी गजेन्द्र सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे और पूरी प्रक्रिया की निगरानी की। गरियाबंद पुलिस ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध नशे के कारोबार के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। समाज में फैल रही नशे की लत को समाप्त करने और युवाओं को सुरक्षित भविष्य देने के उद्देश्य से पुलिस लगातार अभियान चला रही है।

राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति परीक्षा 2025-26 के लिए आवेदन शुरू, 2 मई को होगी परीक्षा

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग, नई दिल्ली द्वारा संचालित राष्ट्रीय साधन सह प्रावीण्य छात्रवृत्ति योजना (एनएमएमएसई) के अंतर्गत सत्र 2025-26 हेतु आवेदन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। यह छात्रवृत्ति आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा की राह पर प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से प्रदान की जाती है।

कौन कर सकते हैं आवेदन - छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित शासकीय विद्यालय, शासकीय अनुदान प्राप्त विद्यालय एवं स्थानीय निकाय विद्यालयों में कक्षा 8वीं (सत्र 2024-25) में अध्ययनरत वे विद्यार्थी आवेदन के पात्र हैं, जिन्होंने पिछली कक्षा 7वीं में 55 प्रतिशत या उससे अधिक अंक प्राप्त किए हों तथा जिनके पिता की कुल वार्षिक आय तीन लाख पचास हजार रुपये से अधिक न हो। परीक्षा के लिए आवेदन पूर्णत: नि:शुल्क एवं ऑफलाइन माध्यम से आमंत्रित है।

परीक्षा कार्यक्रम- एनएमएमएसई परीक्षा 02 मई 2026 (शनिवार) को दो पालियों में आयोजित की जाएगी। प्रथम पाली प्रात: 10:00 बजे से 11:30 बजे तक एवं द्वितीय पाली दोपहर 1:00 बजे से 2:30 बजे तक संपन्न होगी। यह परीक्षा छत्तीसगढ़ राज्य के प्रत्येक विकासखंड में स्थापित कुल 145 परीक्षा केंद्रों पर एक साथ आयोजित की जाएगी।

पात्र विद्यार्थियों से अपील है कि वे इस महत्वपूर्ण अवसर का लाभ उठाएं और समय-सीमा के भीतर अपने विद्यालय के माध्यम से आवेदन सुनिश्चित करें।

फ्यूचर-रेडी फैसिलिटेशन स्किल्स कार्यशाला सम्पन्न

धमतरी। जिला प्रशासन धमतरी द्वारा प्रथम एजुकेशन फाउंडेशन तथा आईसीआईसीआई फाउंडेशन के सहयोग से दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम फ्यूचर-रेडी फैसिलिटेशन स्किल्स का सफल आयोजन कुरूद स्थित पीएसीई सेंटर में किया गया। इस कार्यशाला में जिले के सभी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) के प्रशिक्षण अधिकारियों एवं प्राचार्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का उद्देश्य बदलती औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षकों की क्षमताओं को सुदृढ़ करना तथा प्रशिक्षण पद्धतियों को अधिक प्रभावी, नवाचारपूर्ण और परिणाममुखी बनाना था। प्रशिक्षण के दौरान विशेषज्ञों द्वारा प्रतिभागियों को आधुनिक शिक्षण तकनीकों, प्रशिक्षार्थियों के साथ प्रभावी संवाद और उद्योगोन्मुख प्रशिक्षण पद्धतियों की जानकारी दी गई। कार्यशाला में प्रमुख रूप से लर्नर एंगेजमेंट, उद्योग की अपेक्षाओं की समझ, सीखने की खाई को पाटने के उपाय, डिजिटल एवं एआई आधारित टूल्स का उपयोग, तथा कम्पीटेंसी-आधारित प्रशिक्षण पद्धतियों जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत सत्र आयोजित किए गए।

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

सोच प्रतिबिंबित हुई

मार्क कार्नी की सोच है कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा में उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मार्क कार्नी की भारत यात्रा का सार है कि नए हालात के बीच भारत और कनाडा ने अपने रिश्तों में फंसे कांटे को निकाल कर आगे की दिशा तय की है। कनाडा के प्रधानमंत्री की यात्रा के दौरान तीन प्रमुख फैसले हुए। इसके तहत कनाडा 2.6 बिलियन डॉलर के यूरेनियम की आपूर्ति करने पर राजी हुआ है, दोनों देशों ने इस वर्ष के अंत तक व्यापक आर्थिक सहभागिता समझौते को अंतिम रूप देने का लक्ष्य तय किया है, और उन्होंने 2030 तक आपसी व्यापार को (पिछले साल के 23 बिलियन डॉलर से बढ़ा कर) 30 बिलियन डॉलर तक ले जाने का इरादा जताया है। जिस दौर में व्यापार की पुरानी व्यवस्थाएं टूट चुकी हैं, दोनों देशों का अपने संबंध के व्यापारिक पहलुओं पर इस तरह ध्यान केंद्रित करना लाजिमी ही है। इसके पहले मार्क कार्नी अपनी यह सोच सामने रख चुके हैं कि जब बड़ी ताकतें अंतरराष्ट्रीय व्यवहार के कायदों को ठोकर मार रही हैं, तब मध्यम दर्जे की ताकतों को आपस में मिलकर अपने हितों की रक्षा करनी चाहिए। भारत यात्रा के दौरान उनकी ये सोच प्रतिबिंबित हुई। मगर ऐसे संकेत भी मिले कि कांटा निकलने के बावजूद उसके हुआ जख्म अभी पूरी तरह भरा नहीं है। कार्नी की यात्रा के दौरान ही कनाडा की खुफिया एजेंसियों ने सिख आतंकवादी हरदीप सिंह निज्जर की हत्या में भारतीय अधिकारियों के कथित हाथ से संबंधित सूचनाएं फिर मीडिया को लीक कीं। उधर ये खबर भी चर्चित हुई कि कनाडा के नागरिक एक अन्य सिख चरमपंथी को उसकी जान का खतरा होने को लेकर आगाह किया गया है। इन खबरों को लेकर कनाडाई खुफिया एजेंसी के इरादों पर कूटनीतिक हलकों में कयास लगते रहे। सवाल उठा कि क्या कनाडा के सरकारी दायरे में कुछ ताकतें भारत से अपने देश के सुधरते संबंध को लेकर खुश नहीं हैं? जिस समय भारत और कनाडा ने पुरानी बातों को भूल कर आगे बढ़ने का फैसला किया है, दोनों देशों की सरकारों को ऐसी कोशिशों से सावधान रहना होगा। उन्हें दोनों देशों को जोड़ने वाले पहलुओं पर ध्यान केंद्रित करना होगा, जिनमें भारतीय प्रवासी एक महत्त्वपूर्ण कड़ी हैं।

उच्च शिक्षा का दृष्टिकोण बदले

डा. वरिंदर भाटिया

इस रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ8.6 प्रतिशत संस्थानों ने माना कि उनके पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। वहीं 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने साफ कहा कि उनके कोर्स का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं है। यह स्थिति आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरे अंतर को दिखाती है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल करने में संरचनात्मक रूप से कमजोर है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कॉलेजों में इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवी प्रोफेशनल्स की भागीदारी बहुत कम है भारत में हर साल लाखों छात्र डिग्री लेकर कॉलेजों और विश्वविद्यालयों से निकलते हैं। उम्मीद होती है कि पढ़ाई पूरी करते ही उन्हें अच्छी नौकरी मिलेगी और वे अपने करियर की मजबूत शुरुआत कर पाएंगे। हालांकि, जमीनी हकीकत इससे अलग नजर आती है। हाल ही में टीमलीज एडटेक की एक नई रिपोर्ट ने भारत की उच्च शिक्षा व्यवस्था की इस सच्चाई को सामने रखा है, जिसने शिक्षा और रोजगार के बीच बढ़ते अंतर को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार भारत के करीब 75 प्रतिशत उच्च शिक्षा संस्थान (कॉलेज और विश्वविद्यालय) अपने छात्रों को उद्योग-अनुकूल यानी जॉब-रेडी स्किल्स देने में असफल हो रहे हैं। दूसरे शब्दों में छात्र डिग्री तो हासिल कर लेते हैं, लेकिन उनमें वह व्यावहारिक कौशल नहीं होता, जिसकी आज के नियोक्ताओं को जरूरत है। इस रिपोर्ट के अनुसार कई संस्थान सिर्फ डिग्री बांटने का काम कर रहे हैं, न कि छात्रों को रोजगार के लिए तैयार कर रहे हैं। उच्च शिक्षा की स्थिति कितनी चिंताजनक है? देश में सिर्फ16.67 प्रतिशत संस्थान ही ऐसे हैं, जो अपने 76 से 100 प्रतिशत छात्रों को स्नातक होने के छह महीने के भीतर नौकरी दिला पाते हैं। यह आंकड़ा उन संस्थानों के लिए भी निराशाजनक है, जो खुद को बेहतर प्लेसमेंट देने वाला बताते हैं। आज के समय में शिक्षा का उद्योग से जुड़ा होना बहुत जरूरी है, लेकिन ऐसा बहुत कम जगहों पर हो रहा है। इस रिपोर्ट के अनुसार सिर्फ8.6 प्रतिशत संस्थानों ने माना कि उनके पाठ्यक्रम पूरी तरह से उद्योग की जरूरतों के अनुरूप हैं। वहीं 51 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने साफ कहा कि उनके कोर्स का उद्योग से कोई तालमेल ही नहीं है। यह स्थिति आकांक्षाओं और जमीनी हकीकत के बीच गहरे अंतर को दिखाती है। उन्होंने यहां तक कहा कि भारत की उच्च शिक्षा प्रणाली अपने तय किए गए लक्ष्यों को हासिल करने में संरचनात्मक रूप से कमजोर है। रिपोर्ट में यह भी सामने आया कि कॉलेजों में इंडस्ट्री से जुड़े अनुभवी प्रोफेशनल्स की भागीदारी बहुत कम है। सिर्फ 7.56 प्रतिशत संस्थानों ने ही कई कोर्सों में प्रोफेसर ऑफ प्रैक्टिस को शामिल किया है। इसका असर यह होता है कि ज्यादातर छात्रों को असली दुनिया की नौकरी, बदलती भूमिकाओं और काम करने के तरीकों की सही समझ नहीं मिल पाती है। आज के समय में कंपनियां सिर्फ डिग्री नहीं, बल्कि मान्यता प्राप्त इंडस्ट्री सर्टिफिकेट्स को भी महत्व देती हैं। लेकिन रिपोर्ट बताती है कि 60 प्रतिशत से ज्यादा संस्थानों ने अपने पाठ्यक्रम में ऐसे सर्टिफिकेट्स को शामिल करने पर कभी विचार ही नहीं किया। इससे छात्र ऐसे कौशल के बिना ग्रेजुएट हो जाते हैं, जिन्हें नियोक्ता तुरंत पहचान कर सकें और महत्व दें। नौकरी के लिए तैयार होने में इंटर्नशिप और अनुभवात्मक सीख की भूमिका बहुत अहम होती है। लेकिन यहां भी हालात कमजोर हैं। सिर्फ 9.4 प्रतिशत संस्थानों में सभी कोर्सों के लिए अनिवार्य इंटर्नशिप होती है। वहीं 37.8 प्रतिशत संस्थानों में इंटर्नशिप की कोई व्यवस्था ही नहीं है। इसके अलावा, लाइव इंडस्ट्री प्रोजेक्ट्स, जिनमें छात्र असली समस्याओं पर काम करते हैं, सिर्फ 9.68 प्रतिशत संस्थानों में ही कराए जाते हैं। इन कमियों की वजह से बड़ी संख्या में छात्र बिना किसी व्यावहारिक अनुभव के नौकरी बाजार में कदम रखते हैं। ऐसे में क्लासरूम से वर्कप्लेस तक का सफर उनके लिए बेहद कठिन हो जाता है। इस रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि कॉलेज अपने पूर्व छात्रों के नेटवर्क का सही इस्तेमाल नहीं कर पा रहे हैं, जबकि यह उद्योग और संस्थानों के बीच एक मजबूत कड़ी हो सकता है। सिर्फ 5.44 प्रतिशत संस्थानों ने ही बताया कि उनके पास सक्रिय एलुमनाई नेटवर्क है। इससे मेंटरशिप, रेफरल और अनौपचारिक भर्ती के मौके काफी सीमित रह जाते हैं। भारतीय पाठ्यक्रम अक्सर उद्योग की जरूरतों से कटा रहता है। कैरियर परामर्श और रोजगारपरकता भी एक क्षेत्र है जिसमें भारतीय संस्थान अपने विदेशी समकक्षों से बहुत पीछे हैं। हमारा पाठ्यक्रम उन लोगों से चर्चाओं पर आधारित नहीं होता है जो अंततः हमारे छात्रों को रोजगार देते हैं या अपने यहां काम पर रखते हैं। वहीं दूसरी तरफ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त शैक्षणिक संस्थान भविष्य की संभावनाओं को समझने के लिए लगातार व्यापार, उद्योग, समाज और सरकार के साथ जुड़े रहते हैं। नौकरियों की संख्या और कर्मचारियों की मांगों में तेजी से बदलाव हो रहा है जो सीधे-सीधे शिक्षा प्रदाताओं को यह जिम्मेदारी देता है कि वह इस बदलाव का अनुमान लगाएं और छात्रों को इसके अनुरूप तैयार करें। विदेशी विश्वविद्यालयों के आने से भारतीय विश्वविद्यालयों में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इससे भारतीय संस्थानों को भी अपने मानक सुधारने की प्रेरणा मिलेगी। छात्रों को कम कीमत पर बेहतरीन शिक्षा और अंतरराष्ट्रीय कोर्स मिलेंगे। इससे भारत की युवा आबादी को समृद्ध और सक्षम बनाने में मदद मिलेगी। भारत में छात्र गतिशीलता और वैश्विक शिक्षा का आदान-प्रदान नया नहीं है। तक्षशिला, नालंदा, वल्लभी, विक्रमशिला, शारदा, भद्रकाशी, पुष्पगिरी और उदन्तगिरी जैसे प्राचीन भारतीय विश्वविद्यालय 7वीं शताब्दी ईसा पूर्व में शिक्षा के वैश्वीकरण के प्रतिष्ठित उदाहरण हैं। उच्च शिक्षातंत्र में सरकारी निवेश बढ़ाने की भी जरूरत है। अगर सरकार ऐसा नहीं करना चाहती है तो पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप बढ़ाने की दिशा में विचार किया जा सकता है। विदेशी संस्थानों और स्वदेशी औद्योगिक घरानों को 49 प्रतिशत हिस्सेदारी देकर निवेश बढ़ाया जा सकता है। ऐसा करके ही धन की कमी, खस्ताहाल आधारभूत ढांचे और लालफीताशाही से जूझ रहे भारतीय संस्थानों में प्राण फूंके जा सकते हैं। इन संस्थानों के प्रबंधन और प्रशासनिक तंत्र को भी राजनीतिक हस्तक्षेप से बचाने एवं पेशेवर बनाने की दरकार है। उच्च शिक्षा को हमें उद्योग के अनुरूप पाठ्यक्रम, जरूरी इंटर्नशिप और नियोक्ताओं के साथ औपचारिक साझेदारी जरूरी शर्त माना जाना चाहिए। इन संस्थाओं को केवल अभिजात्य और अमीर वर्ग के लिए अवसर न बनकर हाशिए पर रहने वाले और वंचित वर्गों से आने वाले छात्रों के हितों की रक्षा भी करनी चाहिए और उनके समावेशन के लिए विशेष प्रावधान भी करने चाहिए। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के घोषित लक्ष्य, जो कि उच्च शिक्षा के माध्यम से मानव की पूर्ण क्षमता को विकसित करते हुए एक जिम्मेदार नागरिक के रूप में उसकी राष्ट्र की प्रगति में भूमिका सुनिश्चित करना है, को ध्यान में रखते हुए हमें सीखने की प्रक्रिया में बदलाव कर वर्तमान समय की मांग के अनुरूप नए दृष्टिकोण को अपनाने की जरूरत है। व्यवस्था के लिए चेतावनी है कि अगर समय रहते बदलाव नहीं किए गए तो भारत में एक ऐसा संकट खड़ा हो सकता है जहां डिग्रियों की संख्या तो बहुत होगी, लेकिन रोजगार के अवसर कम होंगे। यह असंतुलन न सिर्फ छात्रों के भविष्य को नुकसान पहुंचाएगा, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था पर भी नकारात्मक असर डालेगा।

आलेख

ईरान हार कर भी जीत जाएगा

पंकज शर्मा

युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। दुनिया भर को हर वक़्त अपनी धौंसबाज़ी के तेवर दिखाने वाले अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ईरान से उलझने के बाद भीतर से इतने भयभीत हो गए हैं कि अंडे के आकार वाले अपने दफ़्तर में आसपास खड़े पादरियों के साथ थरथर मुद्रा में बैठे पूजा-पाठ कर रहे हैं। ट्रंप ने अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों से चुनींदा पादरियों को ओवल ऑफिस बुलाया। पादरियों ने अपने हाथ ट्रंप के बदन पर रखे और प्रार्थना की कि 'इस चुनौतीपूर्ण दौर में' उन्हें 'अलौकिक मार्गदर्षन' और 'बुद्धिमत्ता' हासिल हो। अमेरिकी सेना की हिफ़ाज़त के लिए भी पादरियों ने विशेष आराधना की। ट्रंप अर्चना-वंदना की पूरी अवधि में अपनी कुर्सी पर सिर झुका कर बैठे रहे और मन-ही-मन कुछ बुदबुदाते रहे। इस पूजन के मुख्य पादरी टॉम मुलिन्स थे। वे दक्षिण फ्लोरिडा के क्राइस्ट फैलोशिप चर्च के संस्थापक हैं। पादरी बनने के पहले वे फ़ुटबॉल-कोच थे। पॉम बीच गार्डन्स में रहते हैं। ट्रंप का मूल निवास मार-ए-लागो रिसॉर्ट क्लब भी पॉम बीच गार्डन्स में ही है। पूजा-पाठ के बारे में मुलिन्स ने बताया है कि हम ने परमपिता से प्रार्थना की है कि वे ट्रंप के दिलो-दिमाग को इस मौक़े पर विवेक-बुद्धि से ओतप्रोत रखें। हम ने देवलोक से यह अनुरोध भी किया है कि वह अमेरिकी सेना की रक्षा करे। लक्षण साफ हैं। ट्रंप बाहर से दहाड़ रहे हैं, मगर अंदर-ही-अंदर खुद की मिमियाहट खुद ही सुन रहे हैं। उन्हें अहसास हो गया है कि ईरान के मामले में वे बुरी तरह फंस गए हैं। ईरान को ले कर उन का आकलन ग़लत निकल गया है। तबाह होते ईरान ने इज़राइल को भी बर्बाद करने में कोई कसर बाक़ी नहीं रखी है। अरब और खाड़ी के मुल्क़ों में जितने भी अमेरिकी सैन्य अड्डे थे, उन्हें ईरान ने तक़रीबन ध्वस्त कर दिया है। अमेरिकी प्रशासन को ईरान की तरफ़ से इतने असरदार प्रतिकार का अंदाज़ नहीं था। सो, अब ट्रंप को लग रहा है कि उन्होंने इज़राइली प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू के चक्कर में अच्छी-ख़ासी मुसीबत मोल ले ली है।ईरान-प्रसंग में अमेरिका दुनिया में अकेला-सा पड़ गया है और ट्रंप अमेरिका में अकेले पड़ गए हैं। अमेरिकी संसद से ले कर वहां की सड़कों तक पर ट्रंप विरोधी माहौल है। उन्हें अमेरिका को नाहक एक परेशानी में फंसाने के लिए ज़िम्मेदार माना जा रहा है। संयुक्त राष्ट्रसंघ भी ईरान युद्ध की बेहद सख़्ती से निंदा कर चुका है। ज़्यादातर देश ईरान पर हमले को अनुचित बता चुके हैं। इन में वे देश भी शामिल हैं, जो आमतौर पर अमेरिका के हमजोली और हमसफ़र माने जाते हैं। ज़ाहिर है कि इस सब ने ट्रंप के आत्मविश्वास को भीतर से बुरी तरह हिला दिया है और वे पालनहारे की शरण में चले गए हैं। 'तेरे बिन हमरा कौनो नाहीं' की यह मनोदशा किन परिस्थितियों में व्यक्ति का आलिंगन करती है, आप जानते ही हैं। युद्ध तीन हफ़्ते चले या तीन महीने, जब ख़त्म होगा तो ईरान अगर हारा तो हार कर भी जीत जाएगा और इज़राइल-अमेरिका जीते भी तो जीत कर हार जाएंगे। इस युद्ध का नतीजा कुछ भी निकले, एक बात तय है कि इस के बाद किसी भी देश पर आक्रमण करने की हिम्मत अमेरिका बरसों-बरस नहीं करेगा। ईरान युद्ध से दुनिया भर में उस की दादागीरी का, उस की धौंसपट्टी का, उस की लुच्चागिरी का अंतिम अध्याय लिखा जा रहा है। यह युद्ध ट्रंप की व्यक्तिगत राजनीतिक यात्रा पर भी पूर्ण विराम लगाने वाला साबित होगा। ईरान युद्ध से किस-किस की अर्थव्यवस्था पर क्या-क्या असर पड़ेगा, इस का विश्लेषण अलग-अलग विशेषज्ञ हर रोज़ कर रहे हैं। युद्ध के नफ़ा-नुक़सान पर 'जाकी रही भावना जैसी' के आवरण से झांकती टिप्पणियां हम आजकल दिन-रात सुन-पढ़ रहे हैं। इस युद्ध से पूरी दुनिया पर होने वाले तरह-तरह के प्रभावों को हम आने वाले दिनों में देखेंगे-भुगतेंगे। मगर जो सब से बड़ा और तक़रीबन अमिट असर यह युद्ध छोड़ कर जाएगा, वह यह होगा कि दशकों-दशक लोग यह याद करेंगे कि, अमेरिका और इज़राइल तो छोड़िए, किस तरह अपने-अपने स्वार्थ साधने की हवस में किन-किन मुल्क़ों ने नैतिकता और न्याय के सिद्धांतों को उठा कर ताक पर रख दिया था?

तेल-गैस संकट के समय आत्मनिर्भर क्यों नहीं बने

सौरभ वार्ष्णेय

दुनिया में जब भी मध्य-पूर्व में तनाव या युद्ध की स्थिति बनती है, तब सबसे पहले तेल-गैस की कीमतों पर असर पड़ता है। भारत जैसे देश, जो अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात से पूरा करते हैं, ऐसे समय में सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। सवाल यह उठता है कि आखिर इतने वर्षों बाद भी भारत तेल-गैस के मामले में पूरी तरह आत्मनिर्भर क्यों नहीं बन पाया? सबसे बड़ा कारण यह है कि भारत के पास सीमित प्राकृतिक तेल-गैस भंडार हैं। देश में कुछ क्षेत्रों—जैसे समुद्री तटों और पूर्वोत्तर राज्यों—में तेल-गैस मिलती है, लेकिन यह हमारी बढ़ती जरूरतों के मुकाबले बहुत कम है। आज भी भारत अपनी लगभग 80-85 प्रतिशत कच्चे तेल की जरूरत विदेशों से आयात करता है। दूसरा कारण यह है कि ऊर्जा की मांग लगातार बढ़ रही है। औद्योगिक विकास, बढ़ती आबादी और वाहनों की संख्या में तेजी से वृद्धि के कारण तेल-गैस की खपत लगातार बढ़ती जा रही है। घरेलू उत्पादन इस गति से नहीं बढ़ पाया।तीसरा कारण नीतिगत और तकनीकी चुनौतियाँ भी रही हैं। कई बार तेल-गैस की खोज और उत्पादन के लिए पर्याप्त निवेश, आधुनिक तकनीक और निजी क्षेत्र की भागीदारी समय पर नहीं बढ़ पाई। इसके कारण संभावित भंडारों का पूरा उपयोग नहीं हो सका। हालांकि, हाल के वर्षों में सरकार ने आत्मनिर्भर ऊर्जा की दिशा में कुछ महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। सौर और पवन ऊर्जा को बढ़ावा देना, जैव-ईंधन (एथेनॉल) का उपयोग बढ़ाना, इलेक्ट्रिक वाहनों को प्रोत्साहन देना और नए तेल-गैस क्षेत्रों की खोज करना इसी दिशा के प्रयास हैं।स्पष्ट है कि तेल-गैस में पूर्ण आत्मनिर्भरता हासिल करना आसान नहीं है, लेकिन ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन को बढ़ाकर भारत अपनी निर्भरता जरूर कम कर सकता है। यही भविष्य की ऊर्जा सुरक्षा का रास्ता भी है।

ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों और घरेलू उत्पादन कैसे बढ़ाएँ

देश में बार-बार उभरने वाला तेल-गैस संकट यह संकेत देता है कि केवल आयातित ऊर्जा पर निर्भर रहना लंबे समय तक सुरक्षित रणनीति नहीं हो सकती। भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा विदेशों से आयात करता है, जिससे अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत बढने या भू-राजनीतिक तनाव होने पर देश की अर्थव्यवस्था तुरंत प्रभावित हो जाती है। ऐसे में ऊर्जा के वैकल्पिक स्रोतों को बढ़ावा देना और घरेलू उत्पादन को मजबूत करना समय की सबसे बड़ी आवश्यकता बन गया है।सबसे पहले, सौर और पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय स्रोतों का तेजी से विस्तार करना होगा। भारत भौगोलिक रूप से सौर ऊर्जा के लिए बेहद अनुकूल देश है। अगर गांव-गांव में रूफटॉप सोलर प्लांट और बड़े सौर पार्क स्थापित किए जाएँ तो बिजली उत्पादन का बड़ा हिस्सा स्वदेशी और स्वच्छ स्रोतों से प्राप्त किया जा सकता है। इसी तरह तटीय क्षेत्रों और खुले मैदानों में पवन ऊर्जा की अपार संभावनाएँ हैं।दूसरा महत्वपूर्ण कदम घरेलू तेल और गैस उत्पादन को बढ़ाने का है। इसके लिए नई खोज, आधुनिक तकनीक और निजी निवेश को प्रोत्साहित करना होगा। समुद्री क्षेत्रों और कठिन भौगोलिक इलाकों में ऊर्जा संसाधनों की खोज के लिए सरकार को स्पष्ट नीतियाँ और आसान नियम बनाने होंगे, ताकि घरेलू उत्पादन में तेजी आ सके।इसके साथ-साथ जैव ईंधन, ग्रीन हाइड्रोजन और इलेक्ट्रिक वाहनों को भी ऊर्जा नीति का अहम हिस्सा बनाना होगा। एथेनॉल मिश्रण, बायोगैस प्लांट और कृषि अपशिष्ट से ऊर्जा उत्पादन जैसे प्रयास न केवल ऊर्जा संकट को कम करेंगे बल्कि किसानों की आय बढ़ाने में भी सहायक हो सकते हैं।अंततः ऊर्जा आत्मनिर्भरता केवल सरकारी नीतियों से ही नहीं, बल्कि जनभागीदारी से भी संभव है। ऊर्जा की बचत, सौर ऊर्जा अपनाने और स्वच्छ तकनीक के उपयोग में आम नागरिक की भूमिका भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। यदि सरकार, उद्योग और समाज मिलकर प्रयास करें तो भारत न केवल ऊर्जा संकट से उबर सकता है, बल्कि आने वाले वर्षों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में मजबूत कदम भी बढ़ा सकता है। वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता, तेल-गैस संकट और आपूर्ति श्रृंखला में बार-बार आने वाली बाधाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि किसी भी देश की आर्थिक मजबूती का आधार उसका मजबूत घरेलू उत्पादन होता है। यदि भारत को दीर्घकालीन आर्थिक स्थिरता और आत्मनिर्भरता हासिल करनी है, तो घरेलू उत्पादन बढ़ाने की दिशा में ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले लघु, कुटीर और मध्यम उद्योगों को मजबूत करना आवश्यक है। यही क्षेत्र सबसे अधिक रोजगार पैदा करता है और स्थानीय स्तर पर उत्पादन बढ़ाता है। सरकार को इन उद्योगों को सस्ती पूंजी, तकनीकी सहायता और आसान नियम उपलब्ध कराने चाहिए।दूसरा महत्वपूर्ण कदम कृषि और खाद्य प्रसंस्करण उद्योग को बढ़ावा देना है। यदि कृषि उत्पादों का प्रसंस्करण देश में ही बड़े पैमाने पर होगा, तो किसानों की आय भी बढ़ेगी और आयात पर निर्भरता भी कम होगी।तीसरा, तकनीक और नवाचार को उत्पादन से जोडना जरूरी है। आधुनिक मशीनों, डिजिटल तकनीक और अनुसंधान के माध्यम से उत्पादन की गुणवत्ता और मात्रा दोनों बढ़ाई जा सकती हैं।इसके अलावा सरकार को स्थानीय उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा देना चाहिए। च्लोकल फॉर वोकलज्ज् जैसी पहल तभी सफल होगी जब उपभोक्ता भी स्वदेशी उत्पादों को प्राथमिकता दें।घरेलू उत्पादन बढ़ाना केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं है, बल्कि उद्योग, किसान और उपभोक्ता—सभी की साझा भागीदारी से ही यह संभव है। यदि सही नीतियों और जनसहयोग के साथ प्रयास किए जाएँ, तो भारत न केवल अपनी जरूरतें पूरी कर सकेगा बल्कि वैश्विक बाजार में भी मजबूत स्थान बना पाएगा।

लेखक वरिष्ठ पत्रकार है, समाचार पत्र व पत्रिकाओं में समसमायिक विषयों पर चिंतक, राजनीतिक विचारक है।

नेकी कर दरिया में डाल

पीके खुराना

जब भी अवसर आए, हम नेकी करें, मुस्कुराएं, और उसे दरिया में डाल दें, क्योंकि जो दरिया में डाल दिया जाता है, वही वास्तव में अमर हो जाता है। अंततः 'नेकी कर दरिया में डाल' जीवन को जीने की एक ऐसी कला सिखाता है, जिसमें हाथ खुले रहते हैं और मन खाली। जब हम यह सीख लेते हैं कि अच्छा करके पीछे मुडकर नहीं देखना है, तब जीवन में एक गहरी शांति उतरती है। तब न किसी ने हमें पहचाना या नहीं पहचाना, यह प्रश्न अर्थहीन हो जाता है। तब हम अच्छे इसलिए नहीं होते कि संसार हमें स्वीकार करे, बल्कि इसलिए कि हम स्वयं अपने भीतर अस्वीकार के बोझ को ढोना नहीं चाहते। नेकी स्मृति से मुक्त होकर जब स्वभाव बन जाती है, तब मनुष्य भीतर से सरल, हल्का और पारदर्शी हो जाता है। ऐसा मनुष्य ही वास्तव में स्वतंत्र होता है, प्रशंसा से भी, निंदा से भी। वह जान लेता है कि जीवन का सौंदर्य संग्रह में नहीं, प्रवाह में है। जो बहने देता है, वही निर्मल रहता है। इसलिए हम नेकी करें, उसे थामें नहीं, उसे याद रखें नहीं, उसे अपना कहें नहीं। बस करें, और दरिया में डाल दें भारतीय जीवन-दर्शन का एक अत्यंत सरल, किंतु गहन सूत्र है-'नेकी कर दरिया में डाल।' यह केवल एक कहावत नहीं, बल्कि आत्म-साधना का मौन विधान है। यह वाक्य मनुष्य को यह सिखाता है कि शुभ कर्म का मूल्य उसकी घोषणा में नहीं, उसकी नि:स्वार्थता में है। जब नेकी का बोझ 'मैंने किया' के अहंकार से मुक्त होकर चेतना में विलीन हो जाता है, तभी वह वास्तव में पुण्य बनता है। नेकी कोई लेन-देन नहीं, नेकी कोई सौदा नहीं, नेकी तो वह मौन प्रार्थना है जो बिना शब्दों के ईश्वर तक पहुंच जाती है। आज का मनुष्य हर कर्म के साथ रसीद चाहता है, कभी प्रशंसा की, कभी मान-सम्मान की, कभी सोशल मीडिया की तालियों की। परंतु नेकी की शर्त यही है कि वह बिना रसीद के की जाए। जैसे नदी अपना जल खेतों को देती है, प्यासों को तृप्त करती है, पर किसी से यह नहीं पूछती कि तू मुझे याद रखेगा या नहीं। जहां अहंकार प्रवेश करता है, वहीं नेकी का स्वरूप बदल जाता है। अहंकार कहता है कि देखो, मैंने क्या किया, जबकि नेकी कहती है कि भूल जाओ, मैंने क्या किया। जब किसी को दिया गया दान, किया गया उपकार, या निभाया गया धर्म, यदि स्मृति में टिक जाए, तो वह धीरे-धीरे अहंकार का पोषण करने लगता है, और अहंकार, चाहे वह कितनी ही अच्छी पोशाक क्यों न पहन ले, अंततः आत्मा को भारी कर देता है। दरिया में डालने का अर्थ ही यही है कि कर्म को स्मृति से मुक्त कर देना। नेकी को अपेक्षा से मुक्त कर देना, और स्वयं को कर्तापन के बोझ से मुक्त कर देना। सच्ची नेकी प्राय: गुप्त होती है। जैसे बीज मिट्टी में दबकर अंकुर बनता है, वैसे ही गुप्त नेकी आत्मा में दबकर विवेक बन जाती है। जो नेकी प्रचार चाहती है, वह बाहर से चमकदार होती है, जो नेकी मौन होती है, वह भीतर से उजास भर देती है। संतों ने कहा है कि जिसे धन्यवाद की प्रतीक्षा हो, वह नेकी नहीं, निवेश कर रहा है, और जो बिना धन्यवाद के भी प्रसन्न रहे, वही वास्तव में धर्म के पथ पर है। यह प्रश्न स्वाभाविक है कि यदि नेकी दरिया में डाल दी, तो उसका फल कैसे मिलेगा? यहां भारतीय दर्शन का सूक्ष्म सत्य प्रकट होता है। कर्मफल कोई बैंक खाता नहीं, जहां जमा-निकासी दिखाई दे। कर्मफल चेतना का संस्कार है। नेकी जब अपेक्षा रहित होती है, तो वह मन को हल्का करती है, दृष्टि को करुणामय बनाती है, और जीवन को सहज प्रवाह में ले जाती है। दरिया में डाली गई नेकी अंतत: लौटकर सामने आती है, क्योंकि वही दरिया बादलों को जन्म देता है, और वही बादल फिर से अमृत-वर्षा बनकर बरसते हैं। इसका अर्थ यह है कि नेकी वापस आती है, पर अक्सर रूप बदल कर। पर यह तभी संभव है जब हम नेकी करके उसे भूल जाएं। हम भूल गए तो परमात्मा ने याद रख लिया। कर्मों का संविधान ऐसा ही है। हमने कर्म किया, किसी का भला कर दिया, किसी की सहायता कर दी, किसी का मार्गदर्शन कर दिया, किसी के निराश जीवन में आशा का संचार कर दिया, किसी के जीवन में विश्वास भर दिया, या आस्था भर दी, और उसके लिए कैमरे साथ नहीं लिए, सोशल मीडिया पर प्रचार नहीं किया, लोगों को बार-बार नहीं बताया, तो वह नेकी पूजा हो गई, और अगर हम उसका ढिंढोरा पीटते रहे तो वह नेकी प्रचार हो गई। नेकी तो की, पर नीयत का फर्क रह गया। नेकी के साथ नेकनीयती भी जरूरी है, नेकी तभी नेकी है जब उसके साथ प्रचार न हो, नेकनीयत हो। आज का युग प्रदर्शन का युग है। सहायता भी तस्वीर के साथ होती है, सेवा भी पोस्ट के साथ। ऐसे समय में 'नेकी कर दरिया में डाल' एक क्रांतिकारी विचार बन जाता है। यह हमें सिखाता है कि हर अच्छा काम दिखाने के लिए नहीं होता, कुछ अच्छे काम केवल होने के लिए होते हैं। जब हम किसी को क्षमा करते हैं और किसी को पता नहीं चलता, वह नेकी है। जब हम किसी को सहारा देते हैं और नाम नहीं बताते, वह नेकी है। जब हम सत्य पर टिके रहते हैं, भले ही लाभ न मिले, वह नेकी है। आध्यात्मिक दृष्टि से नेकी आत्मा की स्वाभाविक अवस्था है। जैसे दीपक का धर्म है प्रकाश देना, वैसे ही आत्मा का धर्म है करुणा बरसाना।

सीएम साय ने जगन्नाथ मंदिर में की पूजा-अर्चना

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय आज राजधानी रायपुर स्थित जगन्नाथ मंदिर पहुँचकर भगवान जगन्नाथ महाप्रभु की भव्य महाआरती में शामिल हुए और विधिवत पूजा-अर्चना कर प्रदेशवासियों के जीवन में सुख, समृद्धि, शांति और निरंतर प्रगति की मंगलकामना की।

इस अवसर पर विधायक श्री पुरंदर मिश्रा सहित अन्य स्थानीय जनप्रतिनिधि और श्रद्धालुजन उपस्थित थे।

लेखक संस्कृति की रक्षा सदियों सदियों तक करता है: पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज

कुंडलपुर दमोह। सुप्रसिद्ध सिद्धक्षेत्र, जैन तीर्थ संत शिरोमणि आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज के आशीर्वाद से अभिसिंचित कुण्डलपुर क्षेत्र में गणाचार्य श्री विरागसागर जी महाराज के शिष्य चर्या शिरोमणि ,पट्टाचार्य श्री विशुद्धसागर जी महाराज का ससंघ मंगल आगमन हुआ। समस्त आचार्य संघ पूज्य बड़े बाबा के दरबार में पहुंचा जहां अभिषेक ,शांतिधारा का आयोजन हुआ। दोपहर में आचार्य संघ की आहारचर्या संपन्न हुई ।समायिक उपरांत स्थानीय संत निवास में आयोजित धर्म सभा में आचार्य श्री विशुद्ध सागर जी महाराज ने समयसार पर सार गर्भित मंगल प्रवचन देते हुए कहा आचार्य प्रवर भगवत कुंदकुंद स्वामी भारत की भूमि पर ऐसे महान

जैन दिगम्बर जैन आचार्य हुए जिन्होंने तत्वज्ञान पर विशेष चिंतन किया। आचार्य कुंदकुंद स्वामी ने ही नहीं अपितु उन सभी आचार्यों ने हम सभी के लिए भिखारी नहीं बनने दिया। जिनसेन स्वामी आदि ने पुराण ग्रंथ लिखे ,नेमीचंद सिद्धांत चक्रवर्ती ,आचार्य भगवन पुष्पदंत भूत वली स्वामी आचार्य भगवन ने करुणा नियोग पर ग्रंथ लिखे। जब-जब अगम की व्याख्या होगी श्रमण परंपरा में दिगम्बर हो, श्वेतांबर हो जब तक आचार्य पुष्पदंत भूत वली के षठखंडागम का अध्ययन नहीं होता तब तक किसी को सिद्धांत का बोध नहीं होता। भारत की भूमि जब-जब इतिहास खोलेगी प्राकृत में अपभ्रंश में अर्धमागधी इन पर जो साहित्य है जैन आचार्यों का है। सर्वाधिक छंद अलंकार व्याकरण सभी जैन आचार्य ने लिखे ।ऐसी कोई विद्या नहीं है जिस पर जैन आचार्य ने अपनी लेखनी न चलाई हो ।यहां सारा देश मुस्कुराता है हिंदी के नाम पर हिंदी का जनक भी यदि कोई है तो जैन दर्शन है क्यों? अपभ्रंश के लिए जैनाचार्यों ने स्थान दिया और अपभ्रंश से ही हिंदी का उद्गम होता है ।परमात्म प्रकाश जैसा ग्रंथ योगसार यह दो ग्रंथ आचार्य भगवन योगेंद्रदेव स्वामी ने लिखे ।आचार्य जिनसेन स्वामी ने पुराणशास्त्र लिखा। आपको आश्चर्य होगा 8 दिन के अंदर पारस अभ्युदय जैसा ग्रंथ लिखा जो की अलंकार का महान ग्रंथ है ।यदि सम्राट संस्कृति की रक्षा करता है देश की रक्षा करता हो अपनी आयु के काल तक ही कर पाता है । पर लेखक संस्कृति की रक्षा सदियों सदियों तक करता है ।इसलिए प्रत्येक श्रावक का कर्तव्य है अपने बालक बालिकाओं को गंभीर अध्ययन करायें। ललित कला के साथ साहित्य कला सिखाएं ।कविता हजारों साल चलेगी कविता के माध्यम से संपूर्ण संस्कृति की रक्षा होगी । आचार्यों ने एक से बढ़कर एक ग्रंथ लिखे हैं ।जिसे दर्शनशास्त्र का ज्ञान नहीं वह व्यक्ति अपने सम्यक की भी रक्षा नहीं कर सकता। प्रचार मंत्री जयकुमार जैन जलज ने बताया कि इस अवसर पर आचार्य श्री ने मंदिरों तीर्थक्षेत्रों पर जो परंपरा होती थी शास्त्र वाचना की वह परंपरा निरंतर चलनी चाहिए ऐसी प्रेरणा देते हुए कहा कि पहले प्रतिदिन संध्या समय शास्त्र वाचना होती थी। जिनवाणी सिर पर रखकर लाते थे ।लाल पट्टी बिछी रहती थी। सावधान करके अध्ययन किया जाता था ।वही परंपरा अभी चलनी चाहिए। कुण्डलपुर भगवान आदिनाथ स्वामी का स्थान है ।

सुंदर-सुंदर भवन है यात्री प्रतिदिन आते हैं यहां प्रतिदिन प्रवचन होते रहना चाहिए ।कुण्डलपुर क्षेत्र कमेटी के पदाधिकारियों को संकेत दिया की यहां भी शास्त्र वाचना प्रवचन होना चाहिए । जिस तरहअभिषेक की घोषणा होती है इसी तरह भले ही 5 मिनट उपदेश करो ।आगम ग्रंथ अपने पास है। मंदिर समोशरण होता है जब तक समोशरण में दिव्य ध्वनि न खिरे तो समोसरण काहे का। बड़े बाबा मंदिर के पुजारी आदित्य और अनिल पुजारी को संबोधित करते हुए आचार्य श्री ने कहा कि तुम यह मत सोचना कि मैं पुजारी हूं तुम यह सोचना मैं जगतपति भी हूं।

रोटरी क्लब द्वारा स्वास्थ्य शिविर का आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। रोटरी क्लब ऑफ़ रायपुर ,ग्रेटर द्वारा गरियाबंद जिले में एक बहुत ही सुव्यवस्थित स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। क्लब के प्रेसिडेंट रितेश जिंदल ने बतलाया की यह शिविर रायपुर से लगभग 70 किमी दूर स्थित छोटे से गांव फुलझर में आयोजित किया गया, जिसमें आसपास के तीन गांवों को शामिल किया गया। इस शिविर में लगभग 170 ग्रामीणों को हड्डी रोग (ऑर्थो), स्त्री रोग (गायनेकोलॉजी), दंत चिकित्सा, होम्योपैथी और नेत्र चिकित्सा से संबंधित सेवाएं प्रदान कर उनकी सहायता की गई। इस कार्यक्रम के आयोजन में रोटेरियन अनुराधा सारड़ा, रोटेरियन डॉ. जितेंद्र सराफ और रोटेरियन डॉ. मूनमून अग्रवाल सहित अन्य सदस्यों का विशेष सहयोग रहा। यह स्थान स्वास्थ्य शिविर के लिए बेहद उपयुक्त और महत्वपूर्ण साबित हुआ। जरूरतमंद क्षेत्र में आयोजित यह पहल वास्तव में एक सराहनीय और सेवा भाव से भरा प्रयास था, जिसका हिस्सा बनकर हम सभी गर्व महसूस कर रहे हैं। गांव की पंचायत द्वारा की गई उत्कृष्ट व्यवस्थाएं, आतिथ्य और स्वादिष्ट भोजन ने इस अनुभव को और भी यादगार बना दिया। इस कार्यक्रम में रोटेरियन राज दुबे, रोटेरियन अजय तिवारी, रोटेरियन संजय मोहता, रोटेरियन पियूष भार्गव सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

गर्ल्स कॉलेज में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। गवर्नमेंट मिनीमाता गर्ल्स कॉलेज, बलौदाबाज़ार में दिनांक 16 मार्च 2026 से 18 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (स्नष्ठक्क) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का विषय "Gender Inclusion and Equality Initiatives" रखा गया था, जिसे हाइब्रिड मोड (ऑनलाइन एवं ऑफलाइन) में आयोजित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. कल्पना उपाध्याय द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि समाज, कार्यस्थल और परिवार—हर क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व के लगभग

145 देशों में भारत का स्थान जेंडर इक्वेलिटी के मामले में 125वां है, जो इस विषय की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण और समान अवसरों की महत्ता को रेखांकित किया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में नगर पालिका अध्यक्ष माननीय श्री अशोक जैन उपस्थित रहे उन्होंने कहा कि महालियों में कौशल विकास को बढ़ावा जाए एवं समानता का अधिकार । विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती संगीता ध्रुव (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति) उपस्थित थीं। जनभागीदारी समिति की सदस्य नमिता जैन मैम एवं डॉ. निशा झा मैम भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित रहीं। कार्यक्रम में विभिन्न विषयों पर विशेषज्ञ वक्ताओं द्वारा व्याख्यान दिए गए।

भूरी बाई पाठशाला में बच्चे दिखा रहे है गजब उत्साह

दुर्ग (विश्व परिवार)। भूरी बाई दिगंबर जैन पाठशाला दुर्ग में गत सोमवार से शाम 7 बजे बड़े मंदिर जी में प्रारंभ की गई। पालकों ने 44 बच्चों के फ़ॉर्म ऑनलाइन भरे । शाम 7 बजे तक सभी पालक अपने बच्चों को लेकर पधारे उनका उत्साह देखते ही बनता था।

कई महिलाएँ अपने बच्चों को लेकर उपस्थित हुई। बिट्टू दीदी, पल्लवी बाकलीवाल, प्रियंका पांड्या ने इन क्लासों को संचालित किया। प्रथम दिन ही क़रीब 50 बच्चे उपस्थित हुए। समाज श्रेष्ठी श्री महावीर गंगवाल ने बताया है कि सभी पालकों ने उनके निवेदन पर बच्चों को लेकर उपस्थित हुए आप सभी का श्री भूरी बाई दिगंबर जैन पाठशाला समिति धन्यवाद करती है ।

ई-केवाईसी में कोरिया जिला प्रदेश में अव्वल

कोरिया (विश्व परिवार)। ग्रामीण विकास को नई गति देने के उद्देश्य से लागू की गई वीबीजी रामजी योजना के तहत कोरिया जिले ने तकनीकी पारदर्शिता की दिशा में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। जिले में मनरेगा के अंतर्गत पंजीकृत सभी श्रमिकों का ई-केवाईसी कार्य शत-प्रतिशत पूर्ण कर लिया गया है। इसके साथ ही कोरिया प्रदेश का ऐसा पहला जिला बन गया है, जिसने निर्धारित समय में यह लक्ष्य हासिल किया है। कलेक्टर श्रीमती चंदन त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन और पंचायत अमले के समन्वित प्रयासों से जिले की सभी ग्राम पंचायतों के पंजीकृत श्रमिक परिवारों के प्रत्येक सदस्य का आधार आधारित ई-केवाईसी कार्य पूरा किया गया। उल्लेखनीय है कि प्रदेश स्तर पर अभी औसत ई-केवाईसी लगभग 92 प्रतिशत है, जबकि कोरिया जिले ने 100 प्रतिशत लक्ष्य हासिल कर नई मिसाल पेश की है। तकनीक से बढ़ेगी पारदर्शिता मनरेगा से उन्नत होकर वीबीजी रामजी योजना की दिशा में आगे बढ़ते हुए योजनाओं में पारदर्शिता लाने के लिए तकनीक का उपयोग किया जा रहा है। इसके अंतर्गत पंजीकृत श्रमिकों का आधार आधारित ई-केवाईसी किया गया है, जिससे अब ऑनलाइन पोर्टल पर दैनिक उपस्थिति आधार के अनुसार है।

कालाबाजारी पर मार: अवैध सिलेंडर पर प्रशासन की बड़ी कार्यवाही, 15 नग घरेलु सिलेंडर जब्त

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। कलेक्टर कुलदीप शर्मा के निर्देश पर जिले में अवैध एलपीज़ी गैस सिलेंडर के जमाखोरी व कालाबाजारी के विरुद्ध जांच एवं कार्यवाही की जा रही है। इसी कड़ी में सोमवार को संयुक्त टीम द्वारा भाटापारा एवं खरतोरा में जांच अभियान चलाया गया जिसमें द 15 नग अवैध घरेलु सिलेंडर जब्त किया गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार संयुक्त टीम के द्वारा एसडीएम श्यामा पटेल के नेतृत्व में भाटापारा के लालबहादुर शास्त्री वार्ड स्थित महालक्ष्मी फालूदा फैक्ट्री मे दबिश दी गई। फालूदा फैक्ट्री मे 6 नग घरेलू एलपीजी सिलेंडर व्यावसायिक उपयोग करते पाए जाने पर

जब्ती की कार्यवाही की गई। इसीतरह बस स्टैंड चौक स्थित दादा भाई बिरयानी सेंटर से 1 नग घरेलू सिलेंडर जब्त किया गया। इसके साथ ही खरतोरा नाका पलारी में सागर स्वीट्स हरिकिशन साहू के यहां से 5 नग,रंगला पंजाब ढाबा के प्रॉपराइटर कैप्टनसिंह के प्रतिष्ठान से 3 नग खाली घरेलु सिलेंडर जब्त किया।उक्त कार्यवाही द्रवीकृत पेट्रोलियम गैस (प्रदाय एवं वितरण विनियमन) आदेश 2000 के प्रावधानों के तहत किया गया है। इस दौरान तहसीलदार, खाद्य निरीक्षक एवं राजस्व विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

दीपक बैज अपने राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए जनता को भ्रमित कर रहे है: किरण

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता डॉ. किरण बघेल ने पीसीसी चीफ दीपक बैज के बयान पर पलटवार करते हुए कहा है कि कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष बैज अपने राजनीतिक वजूद को बचाने के लिए जनता को भ्रमित कर रहे हैं। प्रदेश का हर वर्ग भाजपा की साय सरकार के कार्यों से खुशहाल हैं वहीं कांग्रेसी परेशान हो रहे है। श्रीमती बघेल ने कहा कि भाजपा की प्रदेश सरकार हर वर्ग के साथ उनके विकास के लिए कार्य कर रही है। 2018 से 2023 तक आततायी सरकार के संरक्षण में अपराधियों ने प्रदेश की जनता में खौफ का वातावरण बनाकर रखा था। आज वही कांग्रेसी अपनी कांग्रेस पार्टी में

अपने वजूद की लड़ाई लड़ रहे हैं। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता डॉ. (श्रीमती) बघेल ने कहा कि प्रदेश में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय जी के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ की छवि को वैश्विक पहचान दिलाई है। आज प्रदेश के किसान खुशहाल है, युवा कौशल विकास के साथ सरकार के साथ चल रहे हैं। महतारी वंदन योजना की लाभार्थी महिलाओं की आर्थिक स्थिति मजबूत हुई है। इसके साथ ही भूमिहीन श्रमिक व तेंदूपत्ता संग्राहक सहित सरकार की सभी योजनाओं का लाभ ले रहे है। प्रदेश में लखपति दीदियों का सम्मान किया जा रहा है। श्रीमती बघेल ने कहा कि कांग्रेस के शासनकाल में किसानों को आत्महत्या करने के लिए विवश होना पड़ता था। पेंशन के नाम पर महिलाओं एवं बुजुर्गों को छला गया, शराबबंदी का सबसे बड़ा धोखा कांग्रेस पार्टी ने महिलाओं को दिया। प्रदेश के युवाओं को बेरोजगारी भत्ता के नाम पर 4 साल तक धोखे में रखा और चुनावी वर्ष में दिखावे के लिए कुछ महीनों तक दिया। किसानों को धान की अंतर राशि चार किश्तों में दी जाती थी।

प्राचीन और नवीन उत्तंग प्रतिमाओं का पंचकल्याणक सातिशय पुण्य का कारण- सुधासागर

- धन्यकुमार एड बने महामहोत्सव के सौधर्म इन्द्र और अनुपम अनौरा धनपति कुवेर

ललितपुर। श्री अभिनंदनोदय तीर्थ क्षेत्र क्षेत्रपाल मंदिर ललितपुर में धर्मसभा को सम्बोधित करते हुए तीर्थचकवर्ती निर्यापक श्रमण मुनि सुधासागर महाराज ने जीवन में पुण्य की महिमा बताते हुए कहा परिणामों में आकुल व्याकुल नहीं होना चाहिए।

जन्म जन्म से प्रभु की भक्ति साधू संगति और सेवा में शुभ भाव आते हैं और जीवन धर्म की ओर बढ़ता है। पुरानी मूर्ति का जीर्णोद्धार और नवीन मूर्ति के पंचकल्याणक एक साथ दोनो होना सातिशय पुण्य का कारण बताते हुए मुनि श्री ने कहा यह अपने आप में अनूठा संयोग है।

उन्होने कहा भगवान शान्तिनाथ के एक साथ तीन पंचकल्याणक श्रावको को मिल रहे हैं वह अहोभाग्य जहां प्रभु आराधना का अवसर मिलेगा।

धर्म सभा को शुभारम्भ में मुनि श्री सुधासागर महाराज का पादप्रक्षालन जैन पंचायत के साथ शान्तोदय, देवोदय एवं सतोदय तीर्थ के पदाधिकारियों द्वारा किया गया। महिला मण्डल द्वारा संगीतमय मुनि श्री की पूजन हुई जिसमें भक्तिपूर्वक अर्घ समर्पित किए गए। धर्मसभा का संचालन महामंत्री आकाश जैन एवी गैस द्वारा किया गया। मुनि संघ के सानिध्य में आगामी 8 अप्रैल से 13 अप्रैल तक शान्तोदय तीर्थ जहाजपुर में सम्पन्न होने वाले पचकल्याणक प्रतिष्ठा महोत्सव के पात्रों का चयन ब्रहमचारी प्रदीप भैया सुयश के संयोजन में हुआ जिसमें देवेन्द्र सराफ निहारिका साडी को भगवान के मातापिता, उमादेवी धन्यकमार जैन एड सैदपुर को सौधर्म इन्द्र, मालतीदेवी विकास जैन करमई को महायज्ञनायक, अनुपम जैन अन्तू अनौरा को धनपति कुवेर, आलोक कुमार नीलेष चौधरी को भरत चक्रवर्ती इन्द्र, प्रेमचंद नीरज जैन चढरउ को वाहुवलि, अंकित जैन मोनू थनवारा को राजा श्रयांस, राजकुमार अरविन्द अंकुर कुम्हैण्डी को राजा सौम, ध्वजारोहणकर्ता चन्द्रकला जैन डा0 रमेश जैन धौर्रा श्रीमति मनोरमा जैन डा0 अरविन्द जैन आप्टीकल्स को विधिनायक, श्रीमति वीणा जैन डा0 अजय जैन को ईशान इन्द्र, धर्मेन्द्र कुमार संजीव जैन गुड को सानत इन्द्र, अजय कुमार सुनील कुमार जैन परिवार को माहेन्द्र, जितेन्द्र कुमार रागनी जैन शिवाजी को ब्रहमेन्द्र बनने का पुर्णाजन हुआ। जवकि 15 फुट उत्तंग पदमासन मूर्ति विराजमान एवं तिलकदान का पुर्ण्यजन श्रीमति शीलावाई मातेश्वरी सुनील कुमार नीलेश समैया परिवार को मिला।

धर्मसभा में प्रमुख रूप से जैन पंचायत के अध्यक्ष डॉ0 अक्षय टडैया, महामंत्री आकाश जैन, संयोजक सनत जैन खजुरिया, मंदिर प्रबंधक मोदी पंकज जैन, अशोक दैलवारा, धार्मिक अयोजन संयोजक प्रतीक इमलिया, राकेश जैन रिंकु, श्रेष्ठी शीलचंद अनौरा, अखिलेश गदयाना ,राजेन्द्र जैन थनवारा, अक्षय अलया मीडिया प्रभारी, संजीव जैन ममता स्पोर्ट, जिनेन्द्र जैन डिस्को, अरविन्द जैन आप्टीशियन, धन्यकुमार जैन, मनोज जैन बबीना, नरेन्द्र जैन छोटे पहलवान, संजय जैन सुल्लन, वैभव जैन टिन्ना, स्वदेश गोयल, सौरभजैन पीलू प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विधि के क्षेत्र में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की भूमिका विषय पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

चन्द्रपुर। कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा 13 मार्च 2026 को जिला न्यायालय, चंद्रपुर, महाराष्ट्र में "Artificial Intelligence" विषय पर एक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम न्यायालय परिसर में स्थानीय बार एसोसिएशन के सहयोग और समर्थन से आयोजित किया गया, जिसने इस सत्र के आयोजन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इस कार्यक्रम में जिला बार एसोसिएशन के कई पदाधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही, जिनमें अधिवक्ता विक्रम टंडन (अध्यक्ष, बार एसोसिएशन), अधिवक्ता अमन मयेकर (उपाध्यक्ष), अधिवक्ता अभिजीत किंहिकार (सचिव) तथा अधिवक्ता मुनीधर बावंकर (कोषाध्यक्ष) शामिल थे। उनकी उपस्थिति और सहयोग से संगोष्ठी का सफलतापूर्वक आयोजन संभव हो सका। इस संगोष्ठी में प्रैक्टिस कर रहे अधिवक्ताओं तथा विधि क्षेत्र से जुड़े सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विधि व्यवसाय में कृत्रिम बुद्धिमत्ता की बढ़ती भूमिका को समझने में गहरी रुचि दिखाई। इस कार्यक्रम का उद्देश्य यह बताना था कि तकनीकी प्रगति किस प्रकार विधिक अनुसंधान, केस प्रबंधन, साक्ष्य विश्लेषण तथा न्यायिक प्रक्रियाओं को प्रभावित और परिवर्तित कर रही है। विशेषज्ञ सत्र डॉ. पलक शर्मा, सहायक प्राध्यापक, विधि संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय तथा सुश्री विशाखा साखरकर, सहायक प्राध्यापक, विधि संकाय, कलिंगा विश्वविद्यालय द्वारा प्रस्तुत किया गया। उन्होंने विधि और प्रौद्योगिकी के बीच विकसित हो रहे संबंधों पर विस्तार से प्रकाश डाला।

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

दैनिक
विश्व परिवार

विविध

रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026

सनातन धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व

सनातन धर्म में पूजा-पाठ का विशेष महत्व है। हम सभी ईश्वर के प्रति अपनी श्रद्धा प्रकट करने के लिए रोज़ाना पूजा करते हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि पूजा करते समय बैठने या खड़े होने के भी कुछ विशेष नियम होते हैं? अक्सर लोग इस बात को लेकर उलझन में रहते हैं कि भगवान के सामने किस स्थिति में रहना सबसे उचित है। आइए, शास्त्रों के अनुसार जानते हैं कि पूजा के लिए सबसे सही तरीका क्या है।

पूजा करते समय बैठना क्यों माना जाता है शुभ?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा सामान्यत: बैठकर करना सबसे अच्छा माना जाता है। जब व्यक्ति शांत होकर एक आसन पर बैठकर पूजा करता है तो उसका मन अधिक एकाग्र रहता है। कहा जाता है कि बैठकर पूजा करने से मन स्थिर रहता है और ध्यान भटकता नहीं है। इससे भगवान की भक्ति और मंत्रों का प्रभाव भी बढ़ जाता है। शास्त्रों में भी बताया गया है कि पूजा करते समय किसी साफ और पवित्र आसन पर बैठना चाहिए, जैसे कि कुशा का आसन, ऊन का आसन या साफ कपड़े का आसन।

किन स्थितियों में खड़े होकर की जाती है पूजा?

हालांकि आमतौर पर पूजा बैठकर की जाती है, लेकिन कुछ धार्मिक कार्य ऐसे होते हैं जिनमें खड़े होकर पूजा करना भी उचित माना गया है। मंदिर में आरती के समय अक्सर लोग खड़े होकर भगवान की आरती करते हैं। इसके अलावा भजन-कीर्तन, परिक्रमा या विशेष अनुष्ठानों के दौरान भी खड़े होकर पूजा या प्रार्थना की जा सकती है। यदि किसी व्यक्ति को स्वास्थ्य संबंधी समस्या हो और वह लंबे समय तक बैठ नहीं सकता, तो वह खड़े होकर भी श्रद्धा से पूजा कर सकता है।

पूजा करते समय आसन का क्या महत्व है?

धार्मिक मान्यताओं के अनुसार पूजा करते समय सीधे जमीन पर बैठना उचित नहीं माना जाता। इसके लिए एक आसन का उपयोग करना चाहिए। आसन पर बैठकर पूजा करने से शरीर की ऊर्जा संतुलित रहती है और मन भी अधिक शांत रहता है। यही कारण है कि पूजा के समय एक निश्चित आसन का उपयोग करने की परंपरा रही है।

पूजा करते समय ध्यान रखने वाली जरूरी बातें

पूजा से पहले स्नान करके साफ कपड़े पहनें। पूजा हमेशा शांत और स्वच्छ स्थान पर करें। पूजा के समय मन को शांत और सकारात्मक रखें।

घड़े और सुराही का पानी पीते हैं

तो सफाई का रखें खास ख्याल

नहीं तो पड़ सकते हैं बीमार

अगर आप घड़े और सुराही का पानी पीते हैं, तो यह जानना जरूरी है कि उनकी सफाई किस तरह से करनी चाहिए। घड़े और सुराही का पानी न सिर्फ ठंडा रहता है बल्कि यह पानी पीने में भी स्वादिष्ट लगता है हालांकि, अगर इनकी सही से सफाई न की जाए तो इससे पानी में कीटाणु बढ़ सकते हैं जो आपको बीमार भी कर सकते हैं।

रोजाना सफाई करें : हर रोज सुराही या घड़े को खाली करें और गर्म पानी से अच्छी तरह से धोएं। इससे अंदर जमा गंदगी और कीटाणु निकल जाएंगे।

ब्रश का उपयोग करें : एक लंबे हैंडल वाला ब्रश लें जो घड़े या सुराही के अंदर तक पहुंच सके। इससे अंदर की सतहों को अच्छी तरह से साफ किया जा सकता है।

विनेगर का उपयोग करें : महीने में एक बार विनेगर और पानी का मिश्रण बनाकर उससे घड़े या सुराही को धोएं। विनेगर कीटाणुनाशक होता है और यह गंध को भी दूर करता है।

बेकिंग सोडा और सिरका का उपयोग : एक कटोरी में एक चमच बेकिंग सोडा, एक बड़ा चमच सफेद सिरका और थोड़ा सा नमक मिलाकर एक घोल बना लें। इसे घड़े में डालें और ब्रश से रगड़ें।

पानी में भिगोकर रखें : घड़े को पानी भरने से पहले, उसे रात भर पानी में भिगोकर रखें। इससे घड़े की अंदरूनी सफाई होती है और पानी भी अच्छे से ठंडा रहता है।

खीरा खाते वक्त हर कोई करता है ये गलती

दोगुना फायदा लेने से चूक जाते हैं लोग

गर्मियों में खीरा-ककड़ी और पानी वाले फल खाने की सलाह दी जाती है। इस मौसम में कुछ हल्का और ठंडा खाने का मन करता है। लोग गर्मियों में खाने में सलाद जरूर खाते हैं और सलाद में पहली पसंद होता है ठंडा-ठंडा खीरा, जो पानी से भरपूर होता है। खीरा की तासीर ठंडी मानी जाती है। इसे खाने से पेट आसानी से भर जाता है और शरीर ठंडा रहता है। खीरा में कई विटामिन और मिनरल्स भी पाए जाते हैं। हालांकि बहुत सारे लोग खीरा खाते वक्त ऐसी गलती कर बैठते हैं जिसकी वजह से उन्हें भरपूर फायदा नहीं मिल पाता है। आपकी इस गलती से शरीर को खीरा से सारे फायदे नहीं मिल पाते हैं। जानिए आप खीरा खाते वक्त क्या गलती कर बैठते हैं?

बिना छीले खीरा खाने के फायदे?

डाइटिशियन की मानें तो खारी खाते वक्त लोग एक छोटी सी गलती कर बैठते हैं जिससे शरीर को उतना फायदा नहीं मिल पाता है। ज्यादातर लोग खीरा को छीलकर खाते हैं। लेकिन अगर आप खीरा को बिना छीले खाते हैं तो इससे कहीं ज्यादा फायदा मिलता है। खीरा के छिलका में विटामिन ए यानि बीटा कैरोटिन और विटामिन के पाया जाता है। जो शरीर और बालों को लिए फायदेमंद साबित होता है।

पाचन के लिए बेहतर- जिन लोगों को कब्ज और पाचन संबंधी समस्याएं रहती हैं उन्हें बिना छीले ही खीरा खाना चाहिए। खीरा के छिलका में अघुलनशील फाइबर होता है जो कब्ज से राहत दिलाता है। बोवेल मूवमेंट को बेहतर बनाने में और पेट साफ करने में मदद करता है। वजन घटाए- अगर आप बिना छीले खीरा खाते हैं तो इसकी कैलोरी और भी कम हो जाती हैं। खीरा में फाइबर और रफेज की मात्रा इसके छिलके से और बढ़ जाती है। बिना छीले खीरा खाने से पेट लंबे समय तक भरा रहता है। इससे खाने के क्रेविंग कम होती है और मोटापा कम करने में मदद मिलती है। एजिंग को रखे दूर- खीना खाने से स्किन ग्लो करती है लेकिन इसके खीरा के छिलके में एस्कॉर्बिक एसिड होता है जो एजिंग को कम करता है। इसमें पाए जाने वाले पोषक तत्व ऑक्सीडेटिव डैमेज से स्किन को प्रोटेक्ट करते हैं। विटामिन ए और के से भरपूर- खीरा के छिलके में विटामिन ए पाया जाता है जो आंखों को स्वस्थ बनाने में मदद करता है। बीटा कैरोटीन लेना है तो खीरा को बिना छीले ही खाएं। इसके अलावा खीरा के छिलके में ब्लड को क्लॉटिंग में बदलने में मदद करने वाला विटामिन के भी पाया जाता है। विटामिन के हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गर्मियों में अपनाएं ये ब्यूटी टिप्स

गर्मियों के मौसम में स्किन का नैचुरल ग्लो खत्म हो जाता है और स्किन से जुड़ी तमाम समस्याएं होने लगती हैं। तेज धूप में सबसे कॉमन समस्या टैनिंग की होती है। वहीं कुछ लोगों को गर्मी के दिनों में चेहरे पर दाने और मुहांसे भी होने लगते हैं। रोजाना सुबह ऑफिस जाने वाली महिलाओं को स्किन से जुड़ी ज्यादा समस्याएं होती हैं। ट्रैवलिंग के दौरान प्रदूषण, धूल मिट्टी की वजह से स्किन डैमेज और दाग धब्बे जैसी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अगर आप भी रोजाना ऑफिस जाती है, तो आपको एक्सपर्ट के बताएं कुछ ब्यूटी टिप्स को फॉलो करना चाहिए।

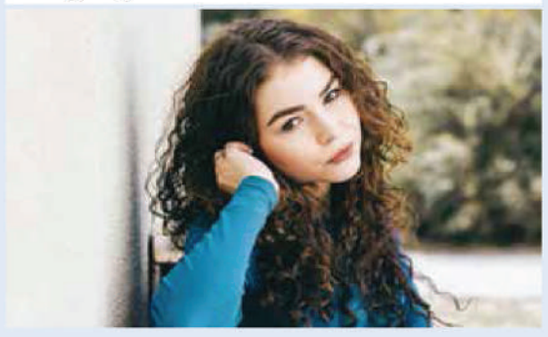

● एक्सफोलिएट करें

गर्मियों में स्किन खुद को हेल्दी रखने और किसी भी जलन या सनबर्न को ठीक करने के लिए कड़ी मेहनत करती है। ऐसे में एक्सफोलिएट करने से मदद मिल सकती है। एक्सफोलिएशन डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। ऐसा करने के बाद आपकी स्किन चमकदार दिखती है। ध्यान रखें कि त्वचा को जरूरत से ज्यादा एक्सफोलिएट न करें। हफ्ते में एक बार ऐसा करना ठीक है।

● सनस्क्रीन जरूर लगाएं

बहुत ज्यादा यूवी एक्सपोजर आपकी स्किन को नुकसान पहुंचा सकता है और सनबर्न, झुर्रियां, फाइन लाइन्स और समय से पहले बुढ़ापे के लक्षण दिख सकते हैं। ऐसे में एक ऐसा सनब्लॉक या सनस्क्रीन खरीदें जिसमें यूवी स्पेक्ट्रम कम से कम एसपीएफ 30 हो। घर से बाहर निकलने से पहले इसे अपनी त्वचा के सभी खुले हिस्सों पर लगाएं।

● मेकअप कम करें

गर्मियों के महीनों में मेकअप कम से कम करें। ऐसा इसलिए क्योंकि आपकी त्वचा को सांस लेने की जरूरत होती है, इसलिए जब मौसम बहुत गर्म हो तो मिनरल-आधारित मेकअप लगाने की कोशिश करें क्योंकि ये प्रोडक्ट हल्के होते हैं। अगर आप फाउंडेशन लगाना पसंद करते हैं तो इसकी जगह एसपीएफ वाला टिंटेड मॉइस्चराइजर लगाएं। इसपर फेस पाउडर लगा सकते हैं।

आज का राशिफल

मेष राशि - आज का दिन आपके लिए बहुत बढ़िया रहेगा। विद्यार्थियों को करियर के नए अवसर मिलेंगे। स्टूडेंट्स को जॉब के लिए कॉल आ सकती है। प्राइवेट कर्मचारियों को विदेश यात्रा का मौका मिल सकता है। निवेश के लिए दिन शुभ है, लेकिन पैसों के लेन-देन में सावधानी बरतें। अपने गुस्से पर काबू रखें, इससे बिगड़ते काम बन जाएंगे।

वृषभ राशि - आज आपका दिन खुशनुमा रहने वाला है। जीवनसाथी का सहयोग आपको बड़ी सफलता दिलाएगा। बिजनेसमैन की विदेश यात्रा लाभदायक होगी। बड़ी कंपनी से डील फाइनल हो सकती है। आर्थिक दृष्टि से दिन मजबूत है। घर में उत्सव का माहौल रहेगा। जीवनसाथी की राय से बिजनेस में लाभ होगा। माता-पिता का आशीर्वाद बना रहेगा।

मिथुन राशि - आज आपके सोचे हुए काम पूरे होंगे। नए बिजनेस की शुरुआत के लिए यह एक बेहतरीन समय है। किसी मित्र के सहयोग से रुके हुए काम पूरे होंगे। जिम्मेदारियों को बखूबी निभाएंगे। आर्थिक स्थिति पहले से काफी बेहतर रहेगी। जीवनसाथी के सहयोग से बड़े कार्यों में सफलता मिलेगी। स्वास्थ्य अच्छा बना रहेगा।

कर्क राशि - आज आपका दिन खास रहेगा। भविष्य के लिए महत्वपूर्ण संपर्क बनेंगे। नौकरी और व्यवसाय में किसी प्रभावशाली व्यक्ति से मुलाकात भविष्य में फायदेमंद होगी। घर के जरूरी कामों पर खर्च और सहयोग की स्थिति रहेगी। अविवाहितों के लिए विवाह का अच्छा प्रस्ताव आ सकता है। लवमेट के साथ लॉन्ग ड्राइव पर जा सकते हैं।

सिंह राशि - आज का दिन आपके अनुकूल रहेगा। चुनौतियों का सामना आप धैर्य के साथ करेंगे। कार्यशीलता के लिए सम्मानित किए जा सकते हैं। कंप्यूटर से संबंधित सामान खरीदना शुभ होगा। निवेश के लिए दिन शुभ है। घर में छोटी पार्टी का आयोजन हो सकता है। माता-पिता का स्नेह मिलेगा और पारिवारिक रिश्ते मजबूत होंगे। स्फूर्ति महसूस करेंगे।

कन्या राशि - आज आप पुरानी मान्यताओं को छोड़कर नए विचारों को अपनाएंगे, जिससे परिवार में उत्साह रहेगा। करियर की नई शुरुआत के लिए दिन शुभ है। किसी पुराने दोस्त से मुलाकात हो सकती है। सामान्य से बेहतर स्थिति रहेगी। जीवनसाथी के साथ कहीं घूमने का प्लान बन सकता है। मनपसंद भोजन का आनंद लेंगे, स्वास्थ्य अच्छा रहेगा।

तुला राशि- आज का दिन आपके लिए फायदेमंद रहेगा। रुके हुए धन की वापसी से मन प्रसन्न होगा। वकीलों के लिए दिन महत्वपूर्ण है, केस पक्ष में रहेंगे। ऑफिस में काम की प्रशंसा होगी। पुराना दिया हुआ पैसा वापस मिलेगा। बिजनेस में बड़ा मुनाफा होने के योग हैं। जीवनसाथी के साथ विदेश यात्रा का प्लान बन सकता है। मित्रों का सहयोग मिलेगा। सेहत पहले से काफी बेहतर रहेगी।

वृश्चिक राशि - आज का दिन राहत भरा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार से मानसिक शांति मिलेगी। कला और राजनीति से जुड़े लोगों के लिए बड़ा प्लेटफार्म मिलने का योग है। सोशल मीडिया पर लोकप्रियता बढ़ेगी। व्यापार में लाभ कराने वाले नए लोगों से मुलाकात होगी। पार्टनर के प्रति व्यवहार सकारात्मक रखें। लवमेट को गिफ्ट दे सकते हैं।

धनु राशि- लाभदायक दिन है। ऑफिस की मीटिंग्स और बिजनेस डील्स में सफलता के प्रबल योग हैं। करियर में नए आयाम स्थापित करेंगे। बड़ी कंपनी से डील फाइनल हो सकती है। कारोबारियों के लिए धन लाभ के योग हैं। ऑनलाइन शॉपिंग पर खर्च हो सकता है। दोस्तों के साथ अच्छा समय बीतेगा। ऊर्जावान महसूस करेंगे।

मकर राशि - आज आप हर किसी के साथ प्रेमपूर्वक व्यवहार करेंगे, जिससे आपकी छवि निखरेगी। मार्केटिंग और इलेक्ट्रॉनिक्स व्यापारियों के लिए अचानक धन लाभ के अवसर बनेंगे। अपनी प्रतिभा दिखाने का मौका मिलेगा। आर्थिक लाभ के योग हैं, लेकिन अजनबियों पर भरोसा न करें। लवमेट के साथ मूवी देखने का प्लान बन सकता है।

कुंभ राशि- आज का दिन आपके लिए फेवरेबल (अनुकूल) रहेगा। ऊर्जा का सही दिशा में प्रयोग आपको बड़ी सफलता दिलाएगा। लेखन कार्य से जुड़े लोगों को सम्मान मिलेगा। ऑफिस और दोस्तों के बीच संतुलन बनाकर चलें। घर पर पार्टी का आयोजन होगा, खर्च बढ़ सकता है। लवमेट से मनपसंद उपहार मिलेगा, जिससे रिश्तों में मजबूती आएगी। ऊर्जा का स्तर बहुत अच्छा रहेगा।

मीन राशि- संचार और तकनीक से जुड़े लोगों के लिए दिन बेहतरीन है। विदेशी कंपनियों से अवसर मिल सकते हैं। अत्याधुनिक उपकरणों के प्रयोग से कार्यशैली में सुधार आएगा। नौकरी के लिए कॉल आ सकती है। कागजी कार्यवाही में सावधानी रखें, जरूरी दस्तावेजों को संभालकर रखें। परिवार वालों को खुश करने के लिए सरप्राइज प्लान करेंगे।

- ज्योतिष गुरु पंडित अतुल शास्त्री

नाइट शिफ्ट करने वाले सावधान!

पांच खतरनाक बीमारियों का रिस्क ▮ संभले नहीं तो बढ़ जाएंगी मुश्किलें

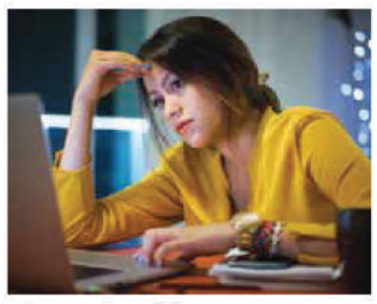

नाइट शिफ्ट करने वालों को अपनी सेहत का ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि रातभर जागने से उनकी नींद पूरी नहीं होती और कई तरह की स्वास्थ्य समस्याएं होने लगती हैं, जो आगे चलकर गंभीर भी हो सकती हैं। रातभर जागकर काम करने से दिल की बीमारियां हो सकती हैं। इससे डिप्रेशन बढ़ सकता है। महिलाओं में तो ब्रेस्ट कैंसर तक का रिस्क रहता है। ऐसे में अगर आप नाइट शिफ्ट कर रहे हैं तो अपनी सेहत का भरपूर ख्याल रखें। किसी भी तरह की लापरवाही से बचें।

✦➢ नींद पूरी न होना : नाइट शिफ्ट करने वालों में नींद न आने की सबसे ज्यादा समस्याएं देखी गई हैं। नाइट शिफ्ट के बाद दिन कुछ लोग चैन की नींद नहीं सो पाते हैं। एक-दो घंटे सोने से उनका स्लीप साइकिल बिगड़ने लगता है, जिससे एंजाइटी की समस्या हो सकती है।

✦➢ ब्रेस्ट कैंसर का रिस्क : एक्सपर्ट्स का कहना है कि नाइट शिफ्ट करने वाली महिलाओं में ब्रेस्ट कैंसर का खतरा काफी ज्यादा होता है। रात में न सोने से स्लीप पैटर्न बगड़ जाता है, जिससे मेलाटोनिन हार्मोन का लेवल कम होता है। यह हार्मोन कैंसर से बचाने का काम कर सकता है।

✦➢ हार्ट अटैक का जोखिम : खराब स्लीप साइकल का सबसे ज्यादा असर हार्ट पर होता है। रोज रात में नाइट शिफ्ट करने से नींद खराब होने लगती है, इससे हार्ट अटैक का रिस्क कई गुना तक बढ़ जाता है। रात में न सोने से ब्लड प्रेशर भी प्रभावित होता है। इसी वजह से हार्ट अटैक का खतरा करीब 7 परसेंट तक ज्यादा बढ़ जाता है।

✦➢ डायबिटीज : रात में सही तरह न सोने वालों में लेप्टिन हार्मोन कम हो जाता है, जिससे कई बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। इनमें डायबिटीज प्रमुख है। लेप्टिन हार्मोन ब्लड शुगर और इंसुलिन को कंट्रोल करने का काम करता है।

क्या पार्टनर को बार-बार मैसेज करने से रिश्ते पर पड़ सकता है बुरा असर?

जब भी किसी नए रिश्ते की शुरुआत होती है,तो ऐसे में दोनों ही पार्टनर्स के बीच जो खिंचाव होता है। वे हर समय एक दूसरे के साथ लगे रहते हैं और दिनभर एक दूसरे को टेक्स्ट या फिर मैसेज करते रहते हैं, लेकिन क्या ऐसा करना सही होता है? बता दें रिलेशनशिप का जो शुरुआती दौर होता है वह काफी सेंसिटिव होता है। अगर आप शुरुआती दौर में लगातार अपने पार्टनर को मैसेज करते रहते हैं तो ऐसे में आपके रिश्ते पर काफी बुरा असर पड़ सकता है। जानकारों की अगर माने तो शुरुआती दौर में कपल्स के लिए ज्यादा सावधान रहने की जरुरत होती है।

रिलेशन की शुरुआत में ध्यान में रखें ये बातें

जब आप अपने रिलेशनशिप की शुरुआत कर रहे हैं तो यह बात बिलकुल जरुरी नहीं है कि आपका पार्टनर आपके लिए हमेशा अवेलेबल रहेगा या फिर हमेशा आपसे बात करेगा। अगर दोनों आपस में लगातार बात कर रहे हैं तो उनके आपसी सहमति पर डिपेंड करता है। जानकार कहते हैं कि अपनी ख़ुशी और मर्जी के हिसाब से अपने पार्टनर को लगातार टेक्स्ट या मैसेज करना सही बात नहीं है। ऐसे में आपको अपने पार्टनर को बिना सोचे-समझे कोई भी मैसेज नहीं भेजना चाहिए। कई बार हमारे दिमाग में ऐसे ख्याल आते रहते हैं कि आपको अपने पार्टनर को मैसेज करके उनका हाल-चाल पूछ लेने का मन करता है। दिमाग में यह सवाल भी आता है कि सामने वाले ने अभी तक कोई कॉल या मैसेज क्यों नहीं किया है। इस तरह के सवाल आने पर बेचैनी बढ़ने लगती है और बात करने की इच्छा और भी बढ़ जाती है। आपको लगता है काफी लंबे समय से आपकी बात उससे नहीं हुई है और आपको उन्हें अपनी याद दिलानी चाहिए। लेकिन, अगर आप भी ऐसा करते हैं तो ऐसे में आप किसी भी तरह के सिचुएशन को कंट्रोल करने की कोशिश कर रहे हैं जो कि किसी भी तरह से ठीक नहीं है।

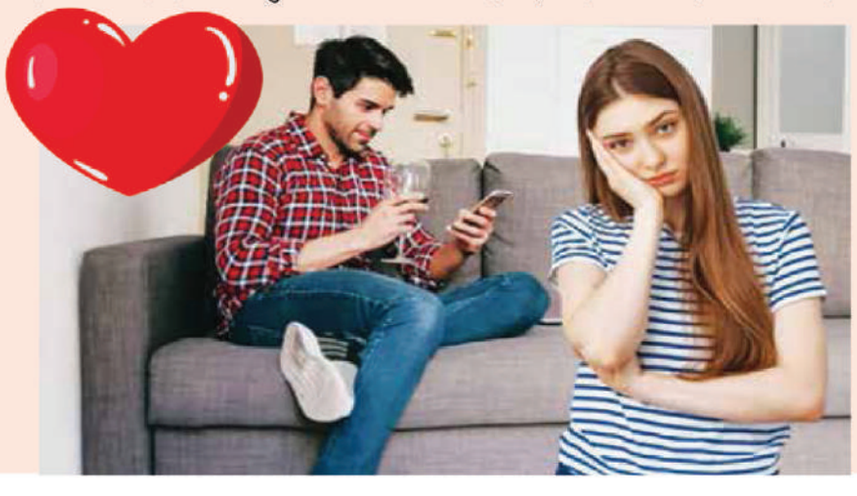

आप प्यार और उसका इजहार बैलेंस्ड तरीके से करें

जब आप अपने पार्टनर को लगातार मैसेज करते हैं तो यह उन्हें कंट्रोल करने की कोशिश जैसा है। अगर आप किसी भी तरह के सिचुएशन को कंट्रोल करना चाहते हैं तो ऐसे में आपको उन्हें बार-बार मैसेज नहीं करना चाहिए। अगर आपको अपने पार्टनर की फ़िक्र है इसलिए आप उनको बार-बार मैसेज कर रहे हैं तो भी आपको ऐसा नहीं करना चाहिए। अगर आप ऐसा करते हैं तो आपका पार्टनर चिड़चिड़ा सकता है। ऐसे में आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आप प्यार और उसका इजहार बैलेंस्ड तरीके से करें।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026

साफ हवा, हरित पर्यावरण और भविष्य की पीढ़ियों के लिए सतत प्रयासः सांसद बृजमोहन अग्रवाल

रायपुर (विश्व परिवार)। स्वच्छ पर्यावरण, शुद्ध हवा और प्रकृति के संरक्षण को लेकर रायपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल लगातार सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उनका मानना है कि आने वाली पीढ़ियों को सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य देने के लिए पर्यावरण संरक्षण आज समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है।

इसी क्रम में सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सोमवार को लोकसभा में ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) के अंतर्गत पर्यावरण को और बेहतर करने के लिए कार्बन को कम करने वाले पौधों को लगाने का मुद्दा उठाया।

श्री अग्रवाल के प्रश्न के जवाब में पर्यावरण, वन एवं

जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और वन पुनर्स्थापन को बढ़ावा देने के लिए देश के विभिन्न राज्यों में अवक्रमित वन क्षेत्रों का चयन किया गया है। ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) में समूचे देश में 4391 हेक्टेयर क्षेत्र में पौधरोपण किया जा रहा है। प्रोग्राम में छत्तीसगढ़ में 536 हेक्टेयर भूमि में वन उगाये जा रहे हैं। गुजरात में सबसे ज्यादा 975 हेक्टेयर भूमि में और मध्यप्रदेश में 640 हेक्टेयर क्षेत्र में कार्बन को कम करने वाले पौधों को लगाया जा रहा है। मंत्री ने बताया कि कार्बन को कम करने वाले पौधों की दीर्घकाल तक जीवित रहने की निगरानी करने और यह सुनिश्चित करने के लिए विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। ऐसे इलाके के 40त्न कैनोपी घनत्व पर बाकायदा ग्रीन क्रेडिट प्रोग्राम (जीसीपी) के अंतर्गत स्थापित पारिस्थितिक लक्षण को प्राप्त करने के लिए विभिन्न क्रेडिट कार्ड भी जारी किए जाते हैं।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकार की जिम्मेदारी नहीं बल्कि समाज के प्रत्येक नागरिक की भी जिम्मेदारी है। ग्रीन क्रेडिट कार्यक्रम के माध्यम से वृक्षारोपण और वन पुनर्स्थापन के कार्यों को प्रोत्साहन मिलेगा, जिससे वातावरण में हरियाली बढ़ेगी।

भिलाई इस्पात संयंत्र में सुरक्षा जागरूकता सप्ताह का भव्य समापन, जीरो हार्म कार्य संस्कृति पर जोर

भिलाई (विश्व परिवार)। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के कोक ओवन एवं कोल केमिकल विभाग (सीओ-सीसीडी) द्वारा आयोजित सात दिवसीय सुरक्षा जागरूकता सप्ताह एवं सुरक्षा प्रदर्शनी-2026 का 16 मार्च को विभागीय परिसर में गरिमामय समारोह के साथ समापन हुआ। 10 मार्च से शुरू हुए इस विशेष अभियान का मुख्य उद्देश्य कार्यस्थल पर सुरक्षा के प्रति सजगता को सुदृढ़ करना और सुरक्षित कार्य पद्धतियों को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य महाप्रबंधक (सीओ-सीसीडी) श्री तुलाराम बेहरा तथा मुख्य महाप्रबंधक (सुरक्षा एवं

अग्निशमन सेवाएं) श्री देबदत्त सतपथी ने की। इस अवसर पर संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारियों, ऑफिसर्स एसोसिएशन और यूनियन प्रतिनिधियों सहित बड़ी संख्या में नियमित एवं संविदा कर्मियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथियों ने 360 डिग्री सुरक्षा दृष्टिकोण विकसित करने और नियर मिस रिपोर्टिंग की गुणवत्ता सुधारने पर विशेष बल दिया। उन्होंने स्पष्ट किया कि सुरक्षा केवल एक प्रक्रिया नहीं बल्कि एक प्रतिबद्धता है, जिसे अग्रणी सुरक्षा संकेतकों (Leading Safety Indicators) के माध्यम से और अधिक प्रभावी बनाया जा सकता है। सप्ताह भर चले इस आयोजन के दौरान कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने हेतु चित्रकला, रंगोली, टूल बॉक्स टॉक, सुरक्षा नाटिका, फुल बॉडी हार्नेस प्रतियोगिता और सुरक्षा प्रश्नोत्तरी जैसी विविध गतिविधियाँ आयोजित की गईं। इन प्रतियोगिताओं के माध्यम से व्यावहारिक सुरक्षा ज्ञान को मनोरंजक और शिक्षाप्रद तरीके से प्रस्तुत किया गया।

इस आयोजन का मुख्य आकर्षण %सुरक्षा प्रदर्शनी% रही, जिसमें सामग्री प्रबंधन, वर्किंग एट हाइट, कॉन्फाइंड स्पेस सेफ्टी और गैस सिलेंडरों की सुरक्षित हैंडलिंग जैसे तकनीकी विषयों पर स्टॉल लगाए गए थे। इस प्रदर्शनी का अवलोकन संयंत्र के 500 से अधिक कर्मियों ने किया और सुरक्षा उपकरणों के सही उपयोग की बारीकियों को समझा। कार्यक्रम के समापन पर विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं, प्रशिक्षकों और प्रदर्शनी के समर्पित प्रतिनिधियों को अतिथियों द्वारा सम्मानित किया गया। इस पूरे आयोजन के सफल क्रियान्वयन में श्री बी. सी. मंडल, श्री आशुतोष प्रधान और उनकी पूरी टीम ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिसके लिए प्रबंधन द्वारा उनकी सराहना की गई।

प्रदेश की राजधानी अपराध का गढ़ बन गयी हैः कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश की राजधानी अपराध का गढ़ बन चुकी है। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि लूट, चाकूबाजी, हत्या, चोरी, बलात्कार की घटनाये प्रतिदिन बढ़ते जा रही है। राजधानी के कालीबाड़ी में सरेआम अपराधियो के दो गुट में गैंगवार हुआ, दौड़ा-दौड़ाकर चाकू चलाया गया। राजधानी के एक ही इन्द्रप्रस्थ नगर में घर में घुसकर चार बदमाशो ने दो भाईयो के उपर में आत्मघाती प्रहार किया। लगातार इस प्रकार की घटनाये हो रही है और पुलिस मौन बनी हुयी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि पिछले दो वर्षो में छत्तीसगढ़ अपराध का गढ़ बन गया है। लूट, हत्या, बलात्कार, चाकूबाजी की घटनाओं के कारण पूरे प्रदेश में दहशत का माहौल है। छत्तीसगढ़ देश का ऐसा अकेला राज्य है, जहां पर कलेक्टर, एसपी कार्यालय जला दिया गया, अपराधी को गांव वालो ने उसके घर में जिंदा जला दिया, एसडीएम को जनता मारने दौड़ा दिया उसे जान बचाकर भगाना पड़ा। राज्य की राजधानी में 2 साल में गोलीबारी की घटना हो गयी, राज्य में मासूम बच्चियां महिलाएं सुरक्षित नहीं है। हर दिन 8 बलात्कार और हर दूसरे दिन 3 सामूहिक दुराचार की घटनाएं हो रही है। राजधानी चाकूपुर बन गया है।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कमिश्नरेट लागू कर दिया लेकिन कोई भी प्रभाव अपराधियो पर पड़ते हुये नहीं दिख रहा है।

कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार विभाग का वर्ष 2026-27 का बजट पारित

- 35 आईटीआई में भवन निर्माण और मरम्मत कार्यों के लिए 25 करोड़ का प्रावधान

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र फरवरी-मार्च 2026 में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने विभागीय बजट प्रस्तुत किया। मंत्री गुरु साहेब जी ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, शिक्षा, सेवाएं और प्रौद्योगिकी प्रमुख क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए कुशल इंजीनियरों और तकनीकी कौशल से युक्त मानव संसाधन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत

है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब जी ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों में वर्तमान में 4 छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, 1 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रायपुर, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई) तथा 20 निजी इंजीनियरिंग महाविद्यालय संचालित हैं। वहीं पॉलीटेक्निक क्षेत्र में 3 सीजीआईटी (पॉलीटेक्निक), 35 शासकीय पॉलीटेक्निक, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग तथा 14 निजी पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हैं। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में 11 हजार 528 तथा पॉलीटेक्निक संस्थानों में 8,408 सीटें उपलब्ध हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग का बजट वर्ष 2018 में 265.49 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर वर्ष 2026-27 में 372.35 करोड़ रुपये हो गया है।

मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में राष्ट्रीय स्तर पर तृतीय स्थान

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय से आज शाम राजधानी रायपुर स्थित मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में द ग्रेट इंडिया सैनिक स्कूल रायपुर के छात्रों ने सौजन्य मुलाकात की। मुख्यमंत्री श्री साय ने छात्रों को राष्ट्रीय स्तर की मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता में तृतीय पुरस्कार प्राप्त करने पर बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उन्होंने कहा कि आपकी इस उपलब्धि से न केवल आपके विद्यालय, बल्कि पूरे छत्तीसगढ़ को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है। यह राज्य के लिए गर्व का विषय और एक बड़ी उपलब्धि है। इस अवसर पर स्कूल के संचालक श्री सिद्धार्थ सिंह, कमांडेंट (सेवानिवृत्त) कर्नल श्री आर.के. वर्मा सहित विद्यालय के अन्य शिक्षक एवं छात्र उपस्थित थे। उल्लेखनीय है कि प्रतिवर्ष शिक्षा मंत्रालय एवं रक्षा मंत्रालय द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर मिलिट्री पाइप बैंड प्रतियोगिता का आयोजन किया जाता है, जिसमें देशभर के सैनिक स्कूल भाग लेते हैं।

ओडिशा के एससीबी मेडिकल कॉलेज में हुई दुर्घटना पर सीएम ने जताया गहरा शोक

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ओडिशा के कटक स्थित एससीबी मेडिकल कॉलेज के ट्रॉमा केयर आईसीयू में आग लगने की दुर्घटना में

हुई जनहानि पर गहरा दुःख व्यक्त किया है। उन्होंने इस घटना को अत्यंत पीड़ादायक और हृदयविदारक बताया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएँ व्यक्त करते हुए कहा कि इस दुखद घड़ी में छत्तीसगढ़ की जनता उनके साथ खड़ी है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति तथा घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना की है। मुख्यमंत्री श्री साय ने महाप्रभु जगन्नाथ स्वामी से प्रार्थना करते हुए कहा कि वे दिवंगत पुण्यात्माओं को अपने श्रीचरणों में स्थान दें और शोकाकुल परिवारों को इस कठिन समय को सहने की शक्ति प्रदान करें।

अदाणी एयरपोर्ट और इंडिगो की साझेदारी से ड्यूटी-फ्री खरीदारी पर मिलेंगे इंडिगो ब्लूचिप्स

अहमदाबाद। भारत की पसंदीदा एयरलाइन इंडिगो और देश की सबसे बड़ी निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर कंपनी अदाणी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड (एएएचएल) ने एक रणनीतिक साझेदारी की घोषणा की है। इस साझेदारी के तहत अब इंडिगो ब्लूचिप के सदस्य एएएचएल द्वारा संचालित एयरपोर्ट्स पर ड्यूटी-फ्री खरीदारी करने पर भी रिवॉर्ड कमा सकेंगे।

इस साझेदारी के तहत सदस्य अदाणी प्लेटफॉर्म के जरिए पहले से बुक किए गए ड्यूटी-फ्री प्रोडक्ट्स पर हर 100 रुपए खर्च करने पर पांच इंडिगो ब्लूचिप्स अर्जित कर सकेंगे। यात्री यात्रा से पहले ऑनलाइन प्रोडक्ट्स देख सकते हैं, उन्हें रिज़र्व और भुगतान कर सकते हैं, और फिर एयरपोर्ट पर आसानी से अपनी खरीदारी प्राप्त कर सकते हैं। नीतन चोपड़ा, चीफ डिजिटल और इंफॉर्मेशन ऑफिसर, इंडिगो, ने कहा, इंडिगो में हम अपने लॉयल्टी प्रोग्राम को और बेहतर बनाने के लिए लगातार प्रयासरत हैं। अदाणी ड्यूटी-फ्री के साथ यह साझेदारी उड़ानों से आगे बढ़कर ग्राहकों को उपयोगी रिवॉर्ड देने की हमारी प्रतिबद्धता को मजबूत करती है, जिससे यात्रा का हर कदम यात्रियों के लिए और फायदेमंद बनता है। इंडिगो के व्यापक नेटवर्क और अदाणी के प्रीमियम ड्यूटी-फ्री अनुभव को साथ लाकर हमें खुशी है कि हम देशभर के लाखों यात्रियों को ज्यादा सुविधा, विकल्प और बेहतर अनुभव दे पा रहे हैं। सुचित बंसल, चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (सीईओ)- नॉन-एरो, एएएचएल, ने कहा, हम अदाणी प्लेटफॉर्म के जरिए डिजिटल सर्च, प्री-ऑर्डर की सुविधा और आसान कलेक्शन को जोड़कर एयरपोर्ट पर खरीदारी के तरीके को बदल रहे हैं। इंडिगो के साथ हमारी यह साझेदारी भारत की सबसे बड़ी एयरलाइन और देश के सबसे बड़े निजी एयरपोर्ट ऑपरेटर को एक साथ लाती है, जिससे यात्रियों को ज्यादा जुड़ा हुआ और फायदेमंद ट्रैवल रिटेल अनुभव मिलेगा।

ग्राहक एक खास पोर्टल के जरिए लॉग-इन कर सकते हैं, अपनी इंडिगो ब्लूचिप मेंबरशिप आईडी लिंक कर सकते हैं और खरीदारी पूरी करने के 24-48 घंटे के भीतर अपने खर्च के आधार पर ब्लूचिप्स प्राप्त कर सकते हैं। इस पहल का उद्देश्य डिजिटल सुविधा, लॉयल्टी लाभ और एयरपोर्ट रिटेल को एक साथ जोड़कर यात्रियों को और सहज यात्रा अनुभव प्रदान करना है।

कैट सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों ने रायपुर कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला से मुलाकात की

रायपुर (विश्व परिवार)। देश के सबसे बड़े व्यापारी संगठन कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के राष्ट्रीय वाइस चेयरमेन एवं राष्ट्रीय व्यापारी कल्याण बोर्ड (भारत सरकार) के सदस्य श्री अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमेन श्री जितेंद्र दोशी, श्री विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष श्री परमानंद जैन, महामंत्री श्री सुरिन्दर सिंह, कोषाध्यक्ष श्री अजय अग्रवाल, कार्यकारी अध्यक्ष श्री राजेंद्र जग्गी, श्री राम मंधान, श्री वासु मखीजा, श्री भरत जैन, श्री राकेश ओचवानी, श्री शंकर बजाज ने संयुक्त रूप से बताया कि आज कन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) के प्रतिनिधिमंडल सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के

पदाधिकारियों ने श्री अमर पारवानी जी के नेतृत्व में रायपुर के कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला जी से भेंट कर शहर के ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मालवाहक ऑटो, रिक्शा आदि के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध से उत्पन्न हो रही समस्याओं से अवगत कराया।

प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि विगत दिनों शहर में ट्रैफिक की समस्या के समाधान के उद्देश्य से तेलघानी नाका, भैंसस्थान, गुढियारी, अग्रसेन चौक सहित उन क्षेत्रों में, जहां से प्रदेश के विभिन्न स्थानों के लिए माल बुकिंग और ट्रांसपोर्ट संचालन होता है, वहां शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मालवाहक ऑटो व रिक्शों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है।

होली मिलन व छग अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन की बैठक आयोजित

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा रायपुर की मासिक बैठक 17 मार्च 2026, दिन- मंगलवार को कर्मचारी भवन, गौरव पथ, रायपुर में आयोजित की जाएगी।

बैठक में संगठन से जुड़े विभिन्न विषयों के साथ-साथ आगामी द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन, जो कि जांजगीर-चांपा में दिनांक 12 अप्रैल 2026 को आयोजित किया गया है, के संबंध में विस्तार से चर्चा की जाएगी तथा जिला शाखा रायपुर की ओर से पेंशनर्स हित से जुड़े सुझाव एवं मांगों पर विचार-विमर्श कर उन्हें प्रांतीय अधिवेशन में प्रस्तुत करने हेतु निर्णय लिया जाएगा। साथ ही इस अवसर पर छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन के गठन के पश्चात प्रथम होली मिलन समारोह भी आयोजित किया गयाहै , जिसमें सभी पेंशनर्स साथी आपसी स्नेह, सौहार्द और उत्साह के साथ फूलों से होली मनाई जायेगी एवं पर्व के आनंद को साझा करेंगे।

सभी सेवानिवृत्त अधिकारी-कर्मचारी साथियों से निवेदन है कि वे अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं तथा आगामी द्वितीय प्रांतीय अधिवेशन में एकजुट होकर सहभागिता निभाने का संकल्प लें, जिससे पेंशनर्स के हितों को सशक्त रूप से उठाया जा सके और संगठन को और अधिक मजबूत बनाया जा सके। उक्त प्रेस विज्ञप्ति बेनी राम गायकवाड़, सचिव छत्तीसगढ़ अधिकारी-कर्मचारी पेंशनर्स एसोसिएशन जिला शाखा - रायपुर के द्वारा जारी कर जानकारी प्रेषित की।

शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय कॉलेज में तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम का किया गया आयोजन

बलौदाबाजार (विश्व परिवार)। स्थानीय शासकीय मिनीमाता कन्या महाविद्यालय बलौदाबाज़ार में दिनांक 16 मार्च से 18 मार्च 2026 तक तीन दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम (FDP) का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम का विषय लैंगिक समानता पर विचार "Gender Inclusion and Equality Initiatives" रखा गया था, जिसे ऑनलाइन एवं ऑफलाइन में आयोजित किया गया था, विचारक अपने विचार व सुझाव दे सकते थे।

कार्यक्रम का शुभारंभ नगरपालिका अध्यक्ष अशोक जैन व अन्य अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती की पूजन एवम दीप

प्रज्वलित कर किया गया, इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित नगर पालिका अध्यक्ष अशोक जैन ने अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत में जेंडर समावेशन और समानता पहल का उद्देश्य महिलाओं और पुरुषों में समान अधिकार होना है पर विचार सांझा किये व यही समय महिलाओं में निर्णय लेने की शक्ति प्रदान करना है। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा शिक्षा का अधिकार के साथ स्त्रियों को आगे बढ़ने अनेक कार्यक्रम व योजनायें लाई गई है, जिसका लाभ महिलाओं को मिल रहा है महिला शसक्तीकरण व महतारी वंदन प्रमुख है व इसमें मिशन शक्ति, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, और कार्यस्थल पर लैंगिक संवेदनशीलता जैसे उपाय शामिल हैं, जो कानूनी सुरक्षा, आर्थिक सशक्तिकरण और समावेशी शिक्षा के माध्यम से महिलाओं को आगे बढ़ने में सहयोग करना है।व इस अवसर पर प्राचार्या डॉ कल्पना उपाध्याय के द्वारा स्मृति चिन्ह भेंट की गई।

प्राचार्या डॉ. कल्पना उपाध्याय द्वारा किया गया। अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि समाज, कार्यस्थल और परिवार—हर क्षेत्र में महिलाओं को समान अधिकार मिलना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने यह भी बताया कि विश्व के लगभग 145 देशों में भारत का स्थान जेंडर इक्वेलिटी के मामले में 125 वां है, जो इस विषय की गंभीरता को दर्शाता है। उन्होंने इस प्रकार के कार्यक्रमों की आवश्यकता पर बल देते हुए महिलाओं के सशक्तिकरण और समान अवसरों की महत्ता को रेखांकित किया। विशिष्ट अतिथि के रूप में श्रीमती संगीता ध्रुव (अध्यक्ष, जनभागीदारी समिति) उपस्थित थीं व सदस्य नमिता जैन मैम एवं डॉ. निशा झा मैम भी कार्यक्रम में विशेष रूप से उपस्थित थी।

श्रम निरीक्षक लक्ष्मण सिंह मरकाम निलंबित

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े प्रकरण में प्रथम दृष्टया अनियमितता पाए जाने पर जिला जांजगीर-चांपा के श्रम निरीक्षक श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार जिला पंचायत उपाध्यक्ष, जिला जांजगीर-चांपा द्वारा 02 मार्च 2026 को कलेक्टर को शिकायत भेजी गई थी। इस संबंध में विधानसभा सदस्य श्री बालेश्वर साहू द्वारा विधानसभा में ध्यानाकर्षण के जरिए मुद्दा उठाया गया। इसके बाद कलेक्टर जांजगीर-चांपा द्वारा कराई गई प्राथमिक जांच में निर्माण श्रमिक के पंजीयन में प्रथम दृष्टया अनियमितता परिलक्षित हुई। जांच में पंजीयन आवेदन स्वीकृत करने वाले क्षेत्रीय श्रम निरीक्षक श्री लक्ष्मण सिंह मरकाम, कार्यालय श्रम पदाधिकारी जिला जांजगीर-चांपा की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित करते हुए विभागीय जांच संस्थित की गई है। निलंबित श्रम निरीक्षक श्री मरकाम के निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जिला बिलासपुर निर्धारित किया गया है। साथ ही उन्हें निलंबन अवधि में नियमानुसार जीवन निर्वाह भत्ता देय होगा। यह आदेश श्रमायुक्त के अनुमोदन से अपर श्रमायुक्त (स्थापना), कार्यालय श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर, अटल नगर द्वारा आज सोमवार को जारी किया गया है।

पुरुषोत्तम दास शर्मा का निधन

रायपुर। अत्यंत दुख के साथ सूचित किया जाता है कि हमारे पूज्य पिताजी श्री पुरुषोत्तम दास शर्मा (मुख्य पुजारी, बजरंग मंदिर, आरडीए बिल्डिंग,

तहसील कार्यालय के सामने) का आकस्मिक निधन दिनांक 16 मार्च 2026 को हो गया। जिनकी अंतिम यात्रा दिनांक 17/03/2026 दिन मंगलवार को सुबह 10 बजे हमारे निवास, 901, रहेजा रेजीडेंसी, st जेवियर स्कूल से सामने, अवंती विहार, लाभांडी से न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। शोकाकुल- चंद्रमणि शर्मा (राजा) सूर्यकांत शर्मा (मुन्नू) शशिकांत शर्मा (चुन्नू) रायना, राध्या, रेयांश एवं राघव शर्मा।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026

सिपेट प्रवेश परीक्षा-2026 ऑनलाइन पंजीकरण की अंतिम तिथि 28 मई

रायपुर (विश्व परिवार)। केन्द्रीय पेट्रोरसायन अभियांत्रिकी एवं प्रौद्योगिकी संस्थान (सिपेट), कोरबा ने शैक्षणिक वर्ष 2026-27 के लिए अपने तकनीकी डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश की घोषणा कर दी है। संस्थान द्वारा मुख्य रूप से डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स टेक्नोलॉजीऔर डिप्लोमा इन प्लास्टिक्स मोल्ड टेक्नोलॉजी पाठ्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं, जो एआईसीटीई एवं एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त हैं। इन पाठ्यक्रमों में 10वीं पास छात्र प्रवेश ले सकते हैं, जिनकी अवधि 3 वर्ष होगी।आदरणीय स्वजन ?? विशेष हर्ष के साथ कृपया पुन: सूचित हो कि हमारे विंध्य

विंध्यवासियों को रीवा-रायपुर-रीवा विमान सेवा की सौगात देने मप्र के डिप्टी सीएम का रायपुर आगमन

हरीशंकर सोनी की रिपोर्ट

रायपुर (विश्व परिवार)। विंध्य के लाड़ले एवं उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन माननीय राजेन्द्र शुक्ल जी का शुभ आगमन रीवा -रायपुर - रीवा फ्लाइट के शुभ आरंभ के अवसर पर दिनांक 17-3-26को सायं 6बजे रायपुर हवाई अड्डे में हो रहा है हवाई अड्डे में माननीय के भव्य स्वागत हेतु आप सादर आमंत्रित हैं। हवाई अड्डे से माननीय उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन राजेन्द्र शुक्ल क्रीन्स क्लब वी आई पी रोड रायपुर में पधारेंगे जहां विंध्याचल कल्याण सर्व समाज छत्तीसगढ़ विंध्य एकता संगठन क्षेत्र के संगठन बघेलखंण्ड क्षत्रिय संगठन एवं विंध्य क्षेत्र के सभी सामाजिक संगठनों एवं समस्तविंध्यवसियो द्वारा विंध्य के लाड़ले सपूत यशस्वी उप मुख्यमंत्री मध्यप्रदेश शासन माननीय राजेन्द्र शुक्ल का हार्दिक स्वागत वंदन अभिनंदन आयोजित है।

कान्यकुब्ज समाज छत्तीसगढ़ के विकास में निभा रहा महत्वपूर्ण भूमिका : सीएम विष्णु देव साय

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ में कान्यकुब्ज ब्राह्मण समाज का इतिहास गौरवशाली रहा है और यह समाज प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने आज राजधानी रायपुर के आशीर्वाद भवन में आयोजित कान्यकुब्ज शिक्षा मंडल के होली मिलन समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन समाज को एक सूत्र में जोड़ने के साथ-साथ नई पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत और परंपराओं से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले लोगों को सम्मानित भी किया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रदेश में गोधन संरक्षण और गौसेवा को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। इसी कड़ी में राज्य में गौधाम योजना की शुरुआत की गई है। इस योजना के तहत प्रदेश के सभी जिलों में चरणबद्ध रूप से गौधाम स्थापित किए जाएंगे, जहां बेसहारा और घुमंतू गौवंश को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में शासकीय भूमि पर स्थापित सभी गौधाम अब सुरभि गौधाम के नाम से जाने जाएंगे। इन गौधामों में पशुपालन, हरा चारा उत्पादन तथा गोबर से उपयोगी उत्पाद तैयार करने से संबंधित प्रशिक्षण कार्यक्रम भी संचालित किए जाएंगे, जिससे स्वरोजगार के नए अवसर सृजित होंगे और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ का प्रभु श्रीराम से विशेष संबंध है। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या का मायका और प्रभु श्रीराम का ननिहाल है। उन्होंने कहा कि श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अब तक 42 हजार से अधिक रामभक्तों को अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दर्शन कराए जा चुके हैं। वहीं मुख्यमंत्री तीर्थ यात्रा योजना के अंतर्गत बुजुर्गों को विभिन्न तीर्थस्थलों का दर्शन कराया गया है।

विधानसभा घेराव के लिए कांग्रेस की जंगी तैयारी

रायपुर (विश्व परिवार)। 17 मार्च को विधानसभा घेराव के लिए कांग्रेस ने जंगी तैयारी किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव गण एस सम्पत, जति लेतफ्लांग, विजय जांगिड़ ने रायपुर शहर के पदाधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा किया। मनरेगा बचाओ संग्राम तथा प्रदेश के स्थानीय मुद्दो बिजली के दाम में बढ़ोत्तरी, किसानो से धोखा, धान खरीदी पर वादा खिलाफी, गैस सिलेंडर के दामो की बढोत्तरी बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था प्रदेश में नशे की खेती और करोबार जैसे मुद्दो को लेकर कांग्रेस विधानसभा का घेराव करेगी। इस कार्यक्रम में प्रदेश के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहित सभी सह-प्रभारी, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित राज्य के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम आदमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

विधायक राजेश मूणत के प्रयासों से मां खारून रिवर फ्रंट के लिए 84.15 करोड़ रुपए स्वीकृत

- रायपुर पश्चिम को मिली विकास की सौगात

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के गौरव और आस्था की प्रतीक पुण्य शलिला मां खारून नदी के तट को उच्च स्तरीय पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने का मार्ग प्रशस्त हो गया है। रायपुर पश्चिम के विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री राजेश मूणत के सतत प्रयासों और जनहित के प्रति उनकी सजगता के परिणामस्वरूप, छत्तीसगढ़ शासन के लोक निर्माण विभाग ने खारून रिवर फ्रंट के निर्माण, विकास एवं सौंदर्यीकरण कार्य के लिए ?84,15,82,000 (चौरासी करोड़ पन्द्रह लाख ब्यासी हजार मात्र) की पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान कर दी है। विकास की नई राह मुख्यमंत्री और लोक निर्माण मंत्री का जताया आभार इस बड़ी उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए विधायक श्री राजेश मूणत ने प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जी का हृदय से आभार व्यक्त किया है।

मूणत ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ विकास के नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और रायपुर की जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए उन्होंने इस प्रोजेक्ट को गति दी है। साथ ही, श्री मूणत ने उप-मुख्यमंत्री एवं लोक निर्माण मंत्री श्री अरुण साव जी के प्रति भी कृतज्ञता प्रकट की। उन्होंने कहा कि लोक निर्माण विभाग के कुशल नेतृत्व में इस तकनीकी और भव्य परियोजना को प्रशासनिक मंजूरी (B.I. No. 3907/2025-26) मिलना हमारे क्षेत्र के लिए ऐतिहासिक है। श्री अरुण साव जी के सहयोग से अब विभाग इस कार्य को पूरी पारदर्शिता और गति के साथ धरातल पर उतारेगा।

द्वारिका साहू बने पुनः आईटी प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ प्रदेश साहू संघ के प्रदेश अध्यक्ष श्री निरेन्द्र साहू ने संगठन की कमान संभालते ही कार्यकारिणी का विस्तार शुरू कर दिया है इसी क्रम में समाज की डिजिटल उपस्थिति को मजबूत करने के उद्देश्य से द्वारिका साहू को पुन: आईटी प्रकोष्ठ का प्रदेश संयोजक नियुक्त किया गया है द्वारिका साहू के पिछले कार्यकाल की सक्रियता और तकनीकी कौशल को देखते हुए प्रदेश अध्यक्ष ने उन पर दोबारा भरोसा जताया है।वही समाज के डेटाबेस को व्यवस्थित करना युवाओं को सामजिक डिजिटल प्लेटफॉर्म से जोड़ना और सामाजिक कार्यक्रमों का व्यापक प्रचार-प्रसार करना

अपनी इस महत्वपूर्ण नियुक्ति पर द्वारिका साहू ने प्रदेश अध्यक्ष श्री निरेन्द्र साहू एवं प्रदेश कार्यकारिणी के समस्त वरिष्ठ पदाधिकारियों का हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा की समाज ने जो विश्वास मुझ पर पुन: व्यक्त किया है, मैं उस पर पूरी निष्ठा के साथ खरा उतरूँगा। मेरा लक्ष्य छत्तीसगढ़ के प्रत्येक साहू परिवार को डिजिटल माध्यम से जोड़ना और समाज की उपलब्धियों को विश्व पटल पर लाना है वही द्वारिका साहू की इस पुनः नियुक्ति से साहू समाज के युवाओं और पदाधिकारियों में भारी हर्ष व्याप्त है। सोशल मीडिया से लेकर व्यक्तिगत रूप से उन्हें बधाई देने वालों का ताँता लगा हुआ है।वही समाज के युवाओं का मानना है कि उनके नेतृत्व में समाज का आईटी विंग नए कीर्तिमान स्थापित करेगा।

यशोदा हॉस्पिटल्स, हैदराबाद में एक्मो आधुनिक मशीन वरदान

रायपुर (विश्व परिवार)। यशोदा हॉस्पिटल्स, हैदराबाद एक सुपर मल्टी-स्पेशियलिटी अस्पताल है, जिसकी शाखाएँ सोमाजीगुड़ा, सिकंदराबाद, मल्कपेट और हाईटेक सिटी में स्थित हैं। यहाँ 4000+ बेड और 700+ विशेषज्ञ डॉक्टरों की टीम मरीजों को उन्नत चिकित्सा सेवाएँ प्रदान कर रही है। यशोदा हॉस्पिटल्स में फेफड़े प्रत्यारोपण (Lung Transplant), लिवर ट्रांसप्लांट, हार्ट ट्रांसप्लांट, मल्टी ऑर्गन ट्रांसप्लांट, बोन मैरो ट्रांसप्लांट, कैंसर, कार्डियक और अन्य जटिल बीमारियों के लिए अत्याधुनिक उपचार सुविधाएँ उपलब्ध हैं। इसी क्रम में रायपुर में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में यशोदा हॉस्पिटल, हैदराबाद के वरिष्ठ कंसल्टेंट इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी एवं स्लीप मेडिसिन विशेषज्ञ डॉ. विश्वेश्वरन बालासुब्रमणियन ने फेफड़ों की बीमारियों और स्लीप डिसऑर्डर के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी साझा की। उन्होंने बताया कि बढ़ते वायु प्रदूषण, बदलती जीवनशैली और अनियमित दिनचर्या के कारण सांस से जुड़ी समस्याएं और नींद से संबंधित बीमारियां तेजी से बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि अस्थमा, क्रॉनिक ब्रोंकाइटिस, फेफड़ों का संक्रमण और स्लीप एपनिया जैसी बीमारियां आज के समय में आम होती जा रही हैं। यदि इन रोगों की समय पर पहचान कर उचित उपचार किया जाए तो गंभीर जटिलताओं से बचा जा सकता है। डॉ. विश्वेश्वरन ने बताया कि कई लोग नींद से जुड़ी समस्याओं को सामान्य समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन लंबे समय तक ऐसा करने से यह गंभीर स्वास्थ्य समस्या बन सकती है। उन्होंने कहा कि इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी के क्षेत्र में आधुनिक तकनीकों के उपयोग से जटिल फेफड़ों की बीमारियों का उपचार अब अधिक सुरक्षित और प्रभावी तरीके से संभव हो गया है।

बुकिंग सेवा के उपयोग करने पर तकनीकी त्रुटि से रिफंड मिलने पर दिखाई ईमानदारी

रायपुर(विश्व परिवार)। रेल यात्रियों को बेहतर सुविधाएँ प्रदान करने के उद्देश्य से भारतीय रेल द्वारा विश्राम कक्ष (रिटायरिंग रूम) की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है, जिसकी बुकिंग ऑनलाइन माध्यम से Indian Railway Catering and Tourism Corporation (IRCTC) आईआरसीटीसी के पोर्टल के माध्यम से की जा सकती है। हाल ही में एक यात्री ने अपनी ईमानदारी का परिचय देते हुए सराहनीय उदाहरण प्रस्तुत किया।

यात्री ने IRCTC ऐप के माध्यम से दुर्ग रेलवे स्टेशन पर 9 से 11 मार्च, 2026 तक दो दिनों के लिए दो विश्राम कक्ष बुक किए थे उसके लिए 5385 रुपये का भुगतान किया था । 9 मार्च, 2026 को वंदे भारत ट्रेन से यात्रा कर रात लगभग 10.30 बजे दुर्ग स्टेशन पहुचने पर उन्हें पता चला की विश्राम कक्षों के लिए IRCTC ऐप के माध्यम से भुगतान किया था उनकी बुकिंग की पुष्टि नहीं हुई है । दुर्ग स्टेशन पर वाणिज्य विभाग के रेल कर्मियों ने मदद की उन्हें दो कमरे दिए एक एसी और एक नॉन-एसी, दो दिनों के लिए क्योकि उनका लेनदेन आईडी- 6005667879 सिस्टम में दिखाई दे रहा था। आईआरसीटीसी ने तकनिकी त्रुटी से रिफंड प्रोसेस कर दिया था । यात्री दो बार ईमेल करके उनसे रिफंड न करने का अनुरोध किया था और बताया था कि मैंने दुर्ग स्टेशन पर कमरे बुक किए थे उसमे वह ठहरे थे। 12 तारीख को जब यात्री विशाखापत्तनम वापस लौटे तब तक उनके खाते में 5385 रुपये की राशि जमा हो चुकी थी।

युवाओं के जोश और खेल भावना के बीच विधायक पुरंदर मिश्रा ने बढ़ाया खिलाड़ियों का उत्साह

रायपुर (विश्व परिवार)। राजधानी रायपुर के ग्रास मेमोरियल मैदान, आकाशवाणी के सामने आयोजित उत्कल क्रिकेट टूर्नामेंट के भव्य फाइनल मुकाबले में उत्तर विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय विधायक श्री पुरंदर मिश्रा विशेष रूप से सम्मिलित हुए और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। खेल प्रेमियों और युवाओं से खचाखच भरे मैदान में क्रिकेट के प्रति जोश, उमंग और उत्साह का अद्भुत वातावरण देखने को मिला।

इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट का आयोजन छत्तीसगढ़ उत्कल घासी-घसिया महासभा द्वारा किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में युवा खिलाड़ियों ने अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया। फाइनल मुकाबले के दौरान खिलाड़ियों ने बेहतरीन खेल का प्रदर्शन करते हुए अनुशासन, टीम भावना और खेल भावना का उत्कृष्ट परिचय दिया, जिसने उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया। कार्यक्रम में उपस्थित विधायक श्री पुरंदर मिश्रा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका हौसला बढ़ाया और कहा कि खेल केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि यह युवाओं के व्यक्तित्व विकास, अनुशासन और नेतृत्व क्षमता को भी निखारने का सशक्त मंच है। उन्होंने कहा कि युवाओं को खेलों से जोड़ना समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य के लिए अत्यंत आवश्यक है। श्री मिश्रा ने आयोजकों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे खेल आयोजन समाज में एकता, भाईचारे और सामाजिक समरसता को मजबूत करने का कार्य करते हैं।

मनोहर गौशाला ट्रस्टी ने राज्यपाल को पहनाई गोबर से निर्मित वैदिक माला

रायपुर (विश्व परिवार)। मनोहर गौशाला के ट्रस्टी डॉ. अखिल जैन ने सपरिवार राज्यपाल रमेन डेका से उनके राजभवन स्थित निवास पर सौजन्य मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच गौसंवर्धन, पर्यावरण संरक्षण और सामाजिक गतिविधियों को लेकर आत्मीय चर्चा हुई। डॉ. अखिल जैन ने राज्यपाल को पंच गव्य एवं गोबर से निर्मित वैदिक गोबर की माला पहनाकर उनका अभिनन्दन किया। साथ ही गौ आधारित उत्पादों के महत्व की जानकारी दी। राज्यपाल ने इस अभिनव पहल की सराहना करते हुए गौशालाओं के सामाजिक और पर्यावरणीय योगदान को महत्वपूर्ण बताया। मुलाकात के दौरान सौहार्दपूर्ण वातावरण में विभिन्न विषयों पर सकारात्मक संवाद हुआ।

पूज्य दरियाशाह जी की महाआरती का आयोजन आज

राजधानी रायपुर में लोकप्रिय सिंधी त्यौहार चेट्रिचंड्र की धूम

रायपुर विश्व परिवार। चेट्रिचंट्र सबसे लोकप्रिय सिंधी त्योहार है। यह पर्व चैत्र महीने के चंद्रमा के बढ़ते चरण के दौरान मनाया जाता है। मुख्य त्योहार भगवान झूलेलाल और बहरानो की पूजा के साथ शुरू होता है। सिंधियों के समुद्र देवता-झूलेलाल संत की आरती करके पूजा की जाती है. यह जल के देवता वरुण देव की पूजा और धन्यवाद करने का भी दिन है। यह साईं उदेरोलाल या झूलेलाल का जन्मदिन समारोह है. इस दिन जल देवता, वरुण देवता ने सिंधियों की रक्षा के लिए साईं उदेरोलाल के रूप में अवतार लिया था. जल देवता. साईं उदेरोलाल, जिन्हें झूलेलाल के नाम से जाना जाता है.ये त्यौहार उनके जन्मदिन के सम्मान में

चेट्रिचंट्र के रूप में मनाया जाता है। इस अवसर पर आज मंगलवार को दिव्य ज्योति परिवार रायपुर के द्वारा पूज्य दरियाशाह जी की महाआरती का आयोजन किया गया है। दिव्य ज्योति परिवार के प्रमुखों ने समाज से निवाणी विनती की है इस विशेष पूजा-महारती में शामिल होने की। कार्यक्रम में लोक गीत-संगीत का आयोजन किया गया है, जिसमे गायक श्री विजय पंजवानी, श्री अनिल कृष्णाणी अपनी मधुर वाणी से संध्या को ओर खुशनुमा बनेंगे। यह कार्यक्रम शाम 5 से 7 बजे तक गुरुद्वारे के सामने, तेलीबांधा तालाब (मरीन ड्राईव), रायपुर में आयोजित किया गया है।

चेरत्तला स्टेशन में बिलासपुर-तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस का ठहराव की सुविधा

रायपुर (विश्व परिवार)। रेलवे प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए दक्षिण रेलवे के तिरुअनंतपुरम मंडल के चेरत्तला स्टेशन में गाड़ी संख्या 22619/22620 बिलासपुर-तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस का प्रायोगिक ठहराव की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है । दिनाँक 17 मार्च 2026 से बिलासपुर से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22619 बिलासपुर-तिरुनेलवेली एक्सप्रेस चेरत्तला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी चेरत्तला स्टेशन 20.24 बजे पहुंचेगी तथा 20.25 बजे रवाना होगी । दिनाँक 22 मार्च 2026 से तिरुनेलवेली से रवाना होने वाली गाड़ी संख्या 22620 तिरुनेलवेली-बिलासपुर एक्सप्रेस चेरत्तला स्टेशन में ठहराव के साथ चलेगी। यह गाड़ी चेरत्तला स्टेशन 07.14 बजे पहुंचेगी तथा 07.15 बजे रवाना होगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354